Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 04 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, बुधवार 11 जून 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अच्छे लोग दूसरों के लिए जीते हैं, जबकि दुष्ट लोग दूसरों पर जीते हैं।

Good People live for others while the bad people live on others.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

5 आईएएस अफसरों को मिला अतिरिक्त प्रभार

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ सरकार ने पांच आईएएस ऑफिसर के प्रभार में बदलाव किये हैं। 2002 बैच के आईएएस डॉक्टर रोहित यादव को सचिव, पर्यटन एवं सांस्कृतिक विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अविनाश चंपावत को वर्तमान कर्तव्यों के साथ ही सचिव, जन शिकायत निवारण विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी तरह अंकित आनंद को वाणिज्य कर पंजीयन विभाग का सचिव, अतिरिक्त प्रभार का दायित्व दिया गया है।

राहुल गांधी चाईबासा कोर्ट में सशरीर होंगे हाजिर

रांची (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 6 अगस्त को चाईबासा की निचली अदालत में सशरीर हाजिर होंगे. यह जानकारी उनके अधिवक्ता दीपांकर ने ईटीवी भारत को दी है. उन्होंने बताया कि चाईबासा की निचली अदालत से उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ है. उन्हें 26 जून को सशरीर पेश होने को कहा गया था. इससे छूट के लिए झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी. मंगलवार को सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के अधिवक्ता की ओर से बताया गया कि 26 जून के बजाए 6 अगस्त को पेश होने की छूट दी जाए. इसपर हाईकोर्ट ने सहमति जताते हुए 6 अगस्त तक के लिए गैर जमानती वारंट को स्थगित करने का आदेश दे दिया है.

मुख्यमंत्री साय ने शहीद एएसपी आकाश राव गिरपुंजे को दी श्रद्धांजलि, पार्थिव शरीर को कंधा देकर दी अंतिम विदाई

मुख्यमंत्री साय ने शहीद श्री गिरपुंजे के शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएँ प्रकट कीं और उन्हें इस कठिन समय में ढांढस बंधाया

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण आईईडी विस्फोट में शहीद हुए एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर पहुंचकर शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा शहीद के पार्थिव शरीर को कंधा देकर सम्मानपूर्वक विदाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद श्री गिरपुंजे के शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएँ प्रकट कीं और उन्हें इस कठिन समय में ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे ने अपने कर्तव्य के प्रति अदम्य साहस, निष्ठा और समर्पण का परिचय देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमें उन पर गर्व है। सरकार इस दु:ख की घड़ी में उनके परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लगातार हो रही सुरक्षाबलों की सफल कार्रवाइयों से नक्सली बौखलाए हुए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शहीद श्री गिरपुंजे की वीरता और देशभक्ति को सदैव याद रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री के साथ इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग श्री मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, शहीद के परिजन, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

शहीद एएसपी श्री गिरपुंजे पंचतत्व में विलीन, बेटे ने दी मुखाग्नि

रायपुर (आरएनएस)। नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में वीरगति को प्राप्त हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आकाश राव गिरपुंजे मंगलवार को महादेव घाट स्थित श्मशान घाट में पंचतत्व में विलीन हो गए. नम आंखों से उनके सात वर्षीय बेटे सिद्धार्थ ने अपने पिता को मुखाग्नि दी. इस दौरान पूरा परिसर 'भारत माता की जय' और 'अक्कू भैय्या जिंदाबाद' के नारों से गूंज उठा, जो शहीद के प्रति लोगों के गहरे सम्मान और प्रेम को दर्शाता था। चौथी वाहिनी से महादेव घाट स्थित श्मशान स्थल तक पार्थिव शरीर लाए जाने के दौरान बड़ी संख्या में परिचित और परिजन मौजूद थे, जिनकी आंखें गमगीन माहौल में नम थीं. शहीद की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल था.

ऑपरेशन सिंदूर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 33 देशों से लौटे 7 डेलिगेशन से मुलाकात की

डेलिगेशन के सदस्यों ने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी यात्रा का अनुभव साझा किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख दुनिया को बताकर देश वापस लौटे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। उनके साथ डिनर किया।

डेलिगेशन के सदस्यों ने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी यात्रा का अनुभव शेयर किया। 7 डेलिगेशन में शामिल 59 सदस्य 33 देशों की यात्रा पर गए थे। जिनमें 51 नेता और 8 राजदूत शामिल हैं। डेलिगेशन का नेतृत्व 7 सांसदों ने किया था। इनमें भाजपा से रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, जदयू के संजय कुमार झा, छत्रूब के कनिमोझी करुणानिधि, NCP (SP) की सुप्रिया सुले, कांग्रेस सांसद शशि थरूर और शिवसेना (शिंदे गुट) के श्रीकांत एकनाथ शिंदे शामिल थे।

थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद कहा, पीएम ने हम सभी के साथ एक घंटे से ज्यादा समय बिताया। वे लॉन में अलग-अलग टेबलों पर गए, सभी डेलिगेशन ग्रुप से बात की। यह बिल्कुल भी औपचारिक बैठक नहीं थी। हममें से कई लोगों ने उन्हें विदेश दौरे पर अपनी रिपोर्ट दी थी। हालांकि उस पर भी कोई चर्चा नहीं हुई। हम सभी ने उनके साथ कई बातें कीं, समय के साथ सब पता चल जाएगा। एआईएमआईएम के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी प्रधानमंत्री मोदी के साथ ऑल पार्टी डेलिगेशन की बैठक में शामिल नहीं हुए।

हाईकोर्ट को बम से उड़ाने आया धमकी भरा ईमेल

बिलासपुर (विसं)। बिलासपुर हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं. हाईकोर्ट के आधिकारिक वेबसाइट पर मंगलवार को धमकी भरा ईमेल भेजा गया. इसमें कोर्ट परिसर को उड़ाने की बातें कही गई है. पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. हाईकोर्ट परिसर को खाली कराकर जांच कराई गई, लेकिन इस दौरान कहीं कुछ नहीं मिला. जानकारी के मुताबिक, हाईकोर्ट में समर वेकेशन के बाद सोमवार से कामकाज शुरू हुआ. इस दौरान कोर्ट परिसर में जजों के साथ ही वकील और पक्षकार भी मौजूद थे. इसी दौरान छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के वेबसाइट पर एक ईमेल आया, जिसमें हड़कंप गया. इस ईमेल में हाईकोर्ट में बम लगाने और परिसर को उड़ाने की धमकी दी गई. ईमेल देखकर हाईकोर्ट के प्रोटोकॉल अफसर ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस अफसरों को दी. पुलिस भी अलर्ट मोड पर आ गई. स्निफर डॉग्स और बम डिटेक्शन उपकरणों के साथ सुरक्षाकर्मियों ने पूरे परिसर की गहन जांच की.

कर्नाटक हाई कोर्ट का आदेश, सीलबंद लिफाफे में दाखिल करें जवाब

बेंगलुरु भगदड़ मामला, अगली सुनवाई 12 जून को

कर्नाटक (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य को बेंगलुरु भगदड़ मामले में सीलबंद लिफाफे में अपना जवाब पेश करने की अनुमति दे दी। इस मामले में अगली सुनवाई 12 जून को होगी। कोर्ट ने इस हादसे का स्वत: संज्ञान लिया था।

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चार जून को रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाने आए फैंस के बीच भगदड़ मची थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हुई। इस मामले पर अगले दिन हाई कोर्ट स्वत: संज्ञान लिया था। अदालत इस हादसे के पीछे की वजह का पता लगाना चाहती है। अदालत जानना चाहती है कि क्या इस हादसे को रोका जा सकता था और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति सीएम जोशी की खंडपीठ के समक्ष बताया कि उन्होंने जवाब दाखिल नहीं किया है। शशि किरण शेट्टी ने कहा, न्यायिक आयोग का गठन किया गया है और रिपोर्ट देने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। लंबित जमानत याचिकाओं में, जो कुछ भी यहां कहा जाता है, उसका इस्तेमाल वहां आरोपी कर रहे हैं। हाई कोर्ट ने पूछा, क्या आप यह कह रहे हैं कि आप हमारे निर्देशों का जवाब नहीं देंगे? इस पर महाधिवक्ता ने कहा, कृपया इसे कल रखें, हम जवाब दाखिल करेंगे।

शहीद परिवारों की चिंता करना सरकार का धर्म, जायज मांगें पूरी की जाएगी : विजय शर्मा

रायपुर (विसं)। शहीद परिवारों ने अपनी मांगों को लेकर आज गृहमंत्री के बंगले के सामने धरने पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, शहीद परिवार की पूरी चिंता करना सरकार का धर्म है। किसी तरह की मांगें अधूरी ना हो इस दिशा में काम किया जा रहा है। कई विषयों को लेकर चर्चा हुई है। शहीद परिवारों के लिए वीर बलिदानी स्मारिका बनाया जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा, हर महीने के दूसरे बुधवार को आईजी स्तर पर सुनवाई होती है। शहीद परिवार के सदस्यों को अनुकंपा नियुक्तियां दी जा चुकी है। शहीद परिवार की पूरी चिंता करना सरकार का धर्म है। एकमुश्त मुआवजे का भी प्रवाधान है। शिक्षा के क्षेत्र में शहीद परिवारों के बच्चों के लिए आरक्षण की मांग शामिल है। कल पीएचक्यू में बैठकर शहीद परिवार से चर्चा करेंगे, जो जायज मांगे होगी उसे पूरी की जाएगी।

माओवादी सीधे बात करेंगे तब होगी बात- आईईडी ब्लास्ट पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा, गांव के विकास में आईईडी बिछाकर रखा गया है, इससे सब आहत होते हैं। माओवादी यदि सीधे बात करेंगे तो बात होगी, मगर दूसरे राज्यों में बैठे लोग बात करना चाहे तो ऐसा नहीं होगा। बलौदाबाजार हिंसा मामले पर उन्होंने कहा, वह एक दुस्वप्न के समान है। वहां के सभी आरोपियों की जमानत कोर्ट से कई बार खारिज हुआ था। उम्मीद है कोर्ट से जल्द निर्णय आएगा।

जनजातीय समाज के विकास के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता : मुख्यमंत्री साय

नई छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ, आश्रम छात्रावासों के संचालन के लिए 85 करोड़ रुपए का ऑनलाइन अंतरण

मंत्रालय में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा

छात्रावासों में सुविधाओं की एकरूपता और गुणवत्ता पर जोर, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास-आश्रम प्रबंधन के लिए नवीन पोर्टल का शुभारंभ किया। साथ ही, आगामी शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रदेश के आश्रम छात्रावासों के संचालन हेतु नई व्यवस्था के अंतर्गत शिष्यवृत्ति एवं भोजन सहायता की पहली किश्त (जुलाई से सितंबर) के रूप में 85 करोड़ रुपए का ऑनलाइन अंतरण भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार विशेष पिछड़ी जनजातियों और आदिवासी समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए संकल्पित है। हमारा लक्ष्य है कि इन वर्गों का जीवन स्तर बेहतर हो, वे आत्मनिर्भर बनें और विकास की मुख्यधारा में सम्मिलित हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जनजातीय समुदाय की सदैव चिंता करते हैं और उनके विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। केंद्र सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने पीएम जनमन एवं धरती आबा जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवास और सड़क निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। साथ ही, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र जैसे मूलभूत दस्तावेजों को तैयार करने का कार्य लगातार जारी रखने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहाँ आवश्यकता हो, वहाँ सर्वसुविधायुक्त छात्रावास बनाए जाएं। शौचालय, बेड, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित हो। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। आश्रम-छात्रावासों में बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं में एकरूपता रहे तथा छात्रावासों की निगरानी के लिए रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम को अपनाया जाए। मुख्यमंत्री साय ने विभाग द्वारा संचालित क्रीड़ा परिसरों की भी जानकारी ली और बच्चों द्वारा विभिन्न खेलों में अर्जित सफलताओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 20 क्रीड़ा परिसरों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि खेल प्रतिभाएं और निखरें और खिलाड़ी खेलो इंडिया सहित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

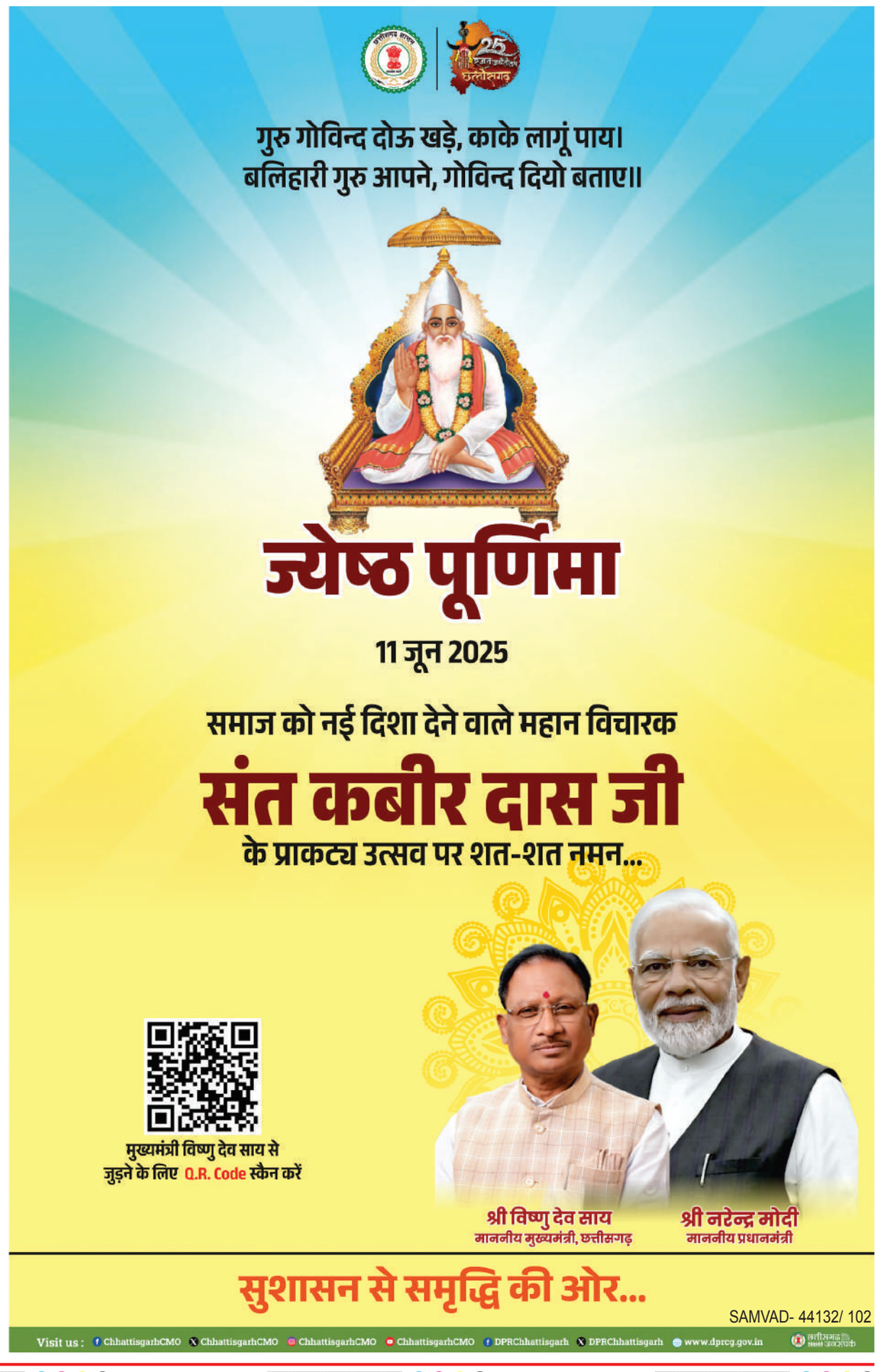

संक्षिप्त समाचार

आई.ई.डी. विस्फोट में शहीद हुए आईपीएस आकाश राव को भाव पूर्ण श्रद्धांजली दी गई

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई में सुकमा जिले के कोटा ब्लाक के कोटा एर्राबोर मार्ग पर डोंड्रा के पास आई.ई.डी. विस्फोट में शहीद होने वाले एडिशनल ए.एस.पी. आकाश राव गिरपुंजे शहीद हो गए। इस दुखत दुर्घटना पर नगर निगम भिलाई के सभागार में शहीद आकाश राव को भाव पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शहीद आकाश राव खुद नक्सलियों के आई.ई.डी. प्लांट से गुजते समय अपने साथियों को सजग रहने के लिए निर्देशित कर रहे थे। उनका अनुमान था कि नक्सली इस प्रकार के गतिविधि कर सकते है। दुर्भाग्य से वे खुद इसके चपेट में आ गए। जिससे वे घायल हो गए, उन्हे कोटा के अस्पताल में लाया गया। जहां उन्होने अंतिम शांसे ली। ए.एस.पी. पार्थिव देव को रायपुर में लाकर गार्ड आफ आनर देकर अंतिम संस्कार किया गया। घायल हुए पुलिस कर्मियों शीघ्र स्वस्थ हो इसके लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इसमें निगम मुख्य कार्यालय एवं जोन कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

घरों में साज सज्जा करने वाला सड़क पर फैला रहा था गंदगी, दो दुकानों से वसूला जुर्माना

रिसाली (विश्व परिवार)। घरों में साज-सज्जा का काम करने वाले व्यापारी से नगर पालिक निगम रिसाली ने जुर्माना वसूला है। दरअसल दो व्यापारी सड़क किनारे दुकान से निकलने वाले कचरा को फेक गंदगी फैला रहे थे। निगम कर्मचारी दोनों दुकानदार को पूर्व में भी चेतावनी दी थी। कृष्णा टॉकिज रोड पर सुबह और देर रात सफाई कराने के बाद नहर के आस-पास हर रोज गंदगी फैलाने वाले के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की गई। पहले निगम ने कचरा के किस्म की पहचान की। इसके बाद संबंधित दुकान की तलाश की। जन स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी बृजेन्द्र परिहार ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में ही बालाजी प्लाई-हार्डवेयर, फोम के संचालक ने कचरा फेकना स्वीकार किया। इसी तरह केशवानी टाइल्स ने भी डस्ट सड़क किनारे डालने की बात कही। दोनो व्यापारियों से 2000-2000 जुर्माना वसूला गया।

अधिक शुल्क वसूली का मामला, प्रभारी प्राचार्य तरसियुस तिग्गा निलंबित

रायपुर (विश्व परिवार)। जिला जशपुर के विकासखंड बगीचा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुरडेग में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य श्री तरसियुस तिग्गा को छात्रों से अनधिकृत रूप से अतिरिक्त शुल्क वसूलने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर जशपुर की अनुशंसा पर संभागायुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा द्वारा की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्री तिग्गा द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों से शासन द्वारा निर्धारित शुल्क दर से अधिक शुल्क वसूला गया। इस संबंध में प्राप्त शिकायत पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बगीचा द्वारा जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन में आरोप प्रथम दृष्टया सत्य पाए गए। जांच में सामने आया कि श्री तिग्गा ने पदीय मर्यादाओं की अवहेलना करते हुए विद्यार्थियों से अतिरिक्त शुल्क लेकर शासन के नियमों का उल्लंघन किया है। यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के विपरीत पाया गया। उक्त कृत्य को दृष्टिगत रखते हुए श्री तरसियुस तिग्गा को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के अंतर्गत निलंबित किया गया है। निलंबन की अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा तथा उनका मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जशपुर निर्धारित किया गया है।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की हीरक जयंती पर रायपुर में दिसंबर में होगा ऐतिहासिक आयोजन

विश्व जम्बूरी एवं प्रथम आदिवासी रोवर-रेंजर जम्बूरी का होगा आयोजन, सांसद बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में लिया गया निर्णय

नई दिल्ली/रायपुर (विश्व परिवार)। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर इस वर्ष दिसंबर माह में रायपुर के नवा रायपुर स्थित मेला ग्राउंड में एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। विश्व जम्बूरी एवं प्रथम आदिवासी रोवर-रेंजर जम्बूरी का यह भव्य आयोजन आदिवासी सभ्यता, संस्कृति और मूल्यों के संरक्षण एवं प्रचार को समर्पित रहेगा।

इस महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा रायपुर सांसद एवं भारत स्काउट्स एंड गाइड्स छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर आयोजित बैठक में की गई। इस बैठक में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. के. के. खंडेलवाल, छत्तीसगढ़ के मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव, राष्ट्रीय निदेशक श्रीमती दर्शना पावसकर, राज्य सचिव कैलाश सोनी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि, यह आयोजन अब तक का सबसे वृहद और विशिष्ट जम्बूरी होगा, जिसमें भारत सहित विश्व के कई देशों से लगभग 10, 000 स्काउट्स एवं गाइड्स की गरिमामयी उपस्थिति होगी। सात दिवसीय इस आयोजन में प्रतिभागी सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं साहसिक गतिविधियों के माध्यम से अपने अनुभव साझा करेंगे और सीखेंगे। श्री अग्रवाल ने बताया कि यह आयोजन आदिवासी संस्कृति पर केंद्रित होगा, जिसमें जनजातीय कलाओं, परंपराओं, खानपान, वेशभूषा और जीवनशैली को मंच प्रदान किया जाएगा। साथ ही, नवाचार, नेतृत्व, टीम वर्क, सेवा और राष्ट्र निर्माण जैसे मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष कार्यशालाएँ और प्रदर्शनियाँ भी आयोजित होंगी।

यह आयोजन न केवल छत्तीसगढ़ को वैश्विक मंच पर विशेष पहचान देगा, बल्कि आदिवासी समुदायों के गौरवशाली इतिहास और परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ने का माध्यम भी बनेगा।

पानी बचाओ महा अभियान के लिए आज शहर में जल यात्रा

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की उपस्थिति में गांधी सभागृह में होगा जल यात्रा का समापन

महापौर ने गायत्री मंदिर के पास से आयोजित जल यात्रा में शामिल होने नागरिको से की अपील

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। पृथ्वी में हो रही जल की कमी को देखते हुए जिले में पानी बचाओ महा अभियान चलाया जा रहा है। इसी कडी में कल दिनांक 11 जून 2025 बुधवार को राजनांदगांव शहर में नगर निगम द्वारा जल यात्रा निकाली जायेगी। उक्त जल यात्रा पद्मश्री फुलबासन यादव के नेतृत्व में गायत्री मंदिर के पास से दोपहर 2:30 बजे निकलेगी यात्रा का समापन गांधी सभागृह मे होगा। समापन अवसर पर छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव के विधायक डॉ. रमन सिंह जी जल बचाओ अभियान में शामिल होगे। अभियान में सांसद श्री संतोष पाण्डे सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेगे।

कार्यक्रम के संबंध में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने बताया कि पृथ्वी पर स्वच्छ ताजे पानी की मात्रा दिन-प्रतिदिन घटती ही जा रही है। पानी के कमी के कारण विश्व भर में सूखा, कई तरह की बीमारियां, प्राकृतिक प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही है, परन्तु इस विषय की सबसे दुखद बात यह है कि लोग अभी भी जल संरक्षण के महत्व को लेकर पूर्ण रुप से जागरुक नही हो रहे है। जिसे ध्यान मे रखकर जल संरक्षण के लिए लोगो में जागरूकता लाने जिले भर में पानी बचाओ महा अभियान चलाया जा रहा है। शहर के लोगो को अभियान से जोडने कल दिनांक 11 जून बुधवार को दोपहर 2:30 बजे गायत्री मंदिर से जल यात्रा प्रारंभ होगी। यात्रा गायत्री मंदिर से भारत माता चौक, आजाद चौक, महाकाल चौक, जय स्तम्भ चौक होते हुए गांधी सभागृह पहुँचेगी। महापौर ने बताया कि जल यात्रा पद्मश्री फुलबासन यादव के नेतृत्व में महिला समूह की महिलाए कलश एवं जल के महत्व को बताते तक्ती लेकर नगरवासियों से अभियान में जुडने अपील करेगे।

मोदी सरकार के 11 साल के वादाखिलाफी नाकामी पर भाजपा खुले मंच पर चर्चा कर लें : बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा मोदी सरकार के 11 साल के वादा खिलाफ़ी नाकामी पर खुले मंच पर चर्चा करने आ जाये। दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा। भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2014, 2019 और 2024 में जो घोषणा पत्र जारी किया था 11 साल में भी उसे घोषणा पत्र के एक भी वादा को पूरा नहीं कर पायी है। जनता मोदी सरकार की गलतनीतियां, वादाखि़लाफ़ी, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यवस्था, सरकारी कंपनियां की नीलामी से नाराज है। वोट में गड़बड़ी करके भाजपा लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज कराई है और उसे जनता का समर्थन बता रही है यह हास्यास्पद है। जिस प्रकार से पूरे देश में वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां सामने आ रही है, मतदान के प्रतिशत में गड़बड़ियां सामने आ रही है जिसे लेकर लगातार नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी निर्वाचन आयोग से सवाल जवाब कर रहे हैं और जवाबदेही से निर्वाचन आयोग भाग रही है और उसके बचाव में भाजपा खड़ी होती है यह दाल में कुछ काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा को चुनावी वादा याद दिलाये, उन्होंने पूछा 11 साल में मोदी सरकार चुनाव में किये कितने वादे को पूरा किये। क्या अच्छे दिन आ गये? कितने लोगों के खाता में 15-15 लाख रुपए जमा कराये? 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा 11 साल में महंगाई कम क्यों नहीं हुई? मोदी सरकार की मुनाफाखोरी के चलते जनता की मूल जरूरत दूध, दही, चावल, दाल, गेहूं, आटा बेसन, पुस्तक, कॉपी, स्टेशनरी, हवाई चप्पल सब पर ही टैक्स के दायरे में आ गये है। पेट्रोल, डीजल पर मनमाना एक्साइज ड्यूटी लगा कर 30 लाख करोड़ रूपए जनता की जेब से निकाल लिया गया। 450 रू. से कम दर में रसोई गैस देने का वादा था लेकिन दाम में मनमाना वृद्धि कर लूटमार की जा रही है। 11 साल में 22 करोड़ युवाओं के लिये रोजगार को रोजगार क्यों नहीं मिला? किसानों की आमदनी दुगुनी क्यों नहीं हुई? 11 साल में दर्जनभर से अधिक आतंकी हमले देश में हुये मोदी सरकार मौन क्यों? दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के नेता बढ़ती महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी पर चर्चा करने से भाग रहे है। देश की जनता का महंगाई से बुरा हाल है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
Under Ministry of Education, Govt. of India

No./NITRR/ Registrar/2025/400 Dated: 10/06/2025

Ph. D. admissions for AUTUMN 2025
(to commence from July-August 2025)

Applications are invited for Ph.D. admissions for the Autumn 2025 (to commence from July-August 2025) in all departments of NIT Raipur. Interested applicants are advised to visit the institute website **www.nitrr.ac.in** for online application, terms & conditions, specializations, vacancies and other details etc.
Application portal opening date is 30.05.2025.
Last date of applying is 17.06.2025.
Sd/-
REGISTRAR, NIT, Raipur

मुख्यमंत्री फडणवीस से भेंटकर देवेंद्र ब्रह्मचारी जी ने दिया संवाद से समाधान कार्यक्रम का आमंत्रण

मुंबई (विश्व परिवार)। श्रद्धेय श्री देवेंद्र ब्रह्मचारी जी ने महाराष्ट्र के यशस्वी एवं लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस जी से मंत्रालय, मुंबई में शिष्टाचार भेंट की। इस सौहार्दपूर्ण भेंट के अवसर पर श्री ब्रह्मचारी जी ने मुख्यमंत्री महोदय को आगामी 23 जून 2025 को यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम, नरिमन पॉइंट, मुंबई में आयोजित हो रहे राष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम संवाद से समाधान-एक परिचर्चा के लिए सादर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री महोदय ने इस आयोजन की भावना एवं उद्देश्य की सराहना करते हुए कार्यक्रम में अपनी स्वीकृति प्रदान की और इसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल बताया। यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, धार्मिक सौहार्द और संवाद के माध्यम से समाधान की दिशा में एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./21440/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 10-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21440
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652D0207A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **LALIT KUMAR, UMESH KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE LAKHAN LAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LALIT KUMAR SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE LAKHAN LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **BATWARA NAMA**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 128 दिनांक 10.06.2025
वार्ड का नाम- मेटल पार्क वार्ड
वार्ड क्र. 10 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 10 मांग **पंजी क्र. 100 युआईडी 13785** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **वेदधर दीवान/ देवधर दीवान** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ओमप्रकाश देवांगन/ कन्हैया लाल देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **10-07-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./21512/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 10-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21512
वार्ड का नाम- 61 - श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 61 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR663S0557F** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MS MARUTI CONSTRUCTION BY 1. DULARU RAM SONKAR S/O LATE HARICHAND SONKAR, 2. MANOHAR SONKAR S/O DULARURAM SONKAR, 3. ASHOK SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O DULARU RAM SONKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SURJEET SINGH CHOUHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O ANDESH SINGH CHOUHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सामान्य आवास योजनांतर्गत **नरदहा, रायपुर** में स्थित **ई.डब्ल्यू.एस. फ्लैट क्रं.-01/05 (प्रथम तल), (1) श्रीमती मनटोरा बाई मनहरे पति श्री ईतवारी राम मनहरे (2) श्री लल्लू राम मनहरे पिता श्री ईतवारी राम मनहरे,** के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक-**5269** दिनांक **16.01.2020** द्वारा एकमुश्त आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर दिया गया है, किन्तु रजिस्ट्री निष्पादन की कार्यवाही नहीं की गई है। सह-आबंटी **श्रीमती मनटोरा बाई मनहरे पति श्री ईतवारी राम मनहरे** की मृत्यु दिनांक **07.11.2024** को हो जाने के कारण उनके पुत्र सह-आबंटी **श्री लल्लू राम मनहरे पिता श्री ईतवारी राम मनहरे, निवासी-ग्राम- नरदहा, विधानसभा रोड़, नरदहा, रायपुर (छ.ग.)** द्वारा आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य वरिसान जैसे मृतिका की पुत्र/पुत्री द्वारा उक्त फ्लैट को सह-आबंटी **श्री लल्लू राम मनहरे पिता श्री ईतवारी राम मनहरे,** के पक्ष में **एकल नाम** पर किये जाने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त फ्लैट के सह-आबंटी **श्री लल्लू राम मनहरे पिता श्री ईतवारी राम मनहरे,** के एकल नाम पर किये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./21419/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 10-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21419
वार्ड का नाम-10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227I00038** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. SANGEETA AGARWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SUNIL KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NIHIT GUPTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O RAJENDRA PRASAD GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./21420/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 10-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21420
वार्ड का नाम-10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227I00187** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SOURABH SONI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O R.K. SONI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANIL KUMAR GUPTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LT. SHIV PRASAD GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./21441/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 10-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21441
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652D00207** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **LALIT KUMAR, UMESH KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE LAKHAN LAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **UMESH KUMAR SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE LAKHAN LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **BATWARA NAMA**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./21439/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 10-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21439
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652E00056** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NIVIDITA PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O MAHESH KUMAR PANDEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANTOSH KUMAR DWIVEDI** पिता/पति श्री/श्रीमती **MANGAL PRASHAD DWIVEDI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./17462/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 07-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17462
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445C00159** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHAKTI RAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. PRAMOD KUMAR RAI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIKRAM SINGH DHIMAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI DHARAMPAL DHIMAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./21109/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 02-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21109
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651D00354** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **UTTAM KUMAR PARIHAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. RAJENDRA SINGH PARIHAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JAM BAI SHAU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HEMLAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /21533/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 10-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21533
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C01482** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURMILA LANJEWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJU LANJEWAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HARSH KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAMAL NARAYAN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /21537/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 10-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21537
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568A0828A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LAXMI YADU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **O LT. ARUN KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KUBER SAPHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. NUKELA RAM** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwaparivar.com
vishwaparivarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

सड़क दुर्घटना पर पीड़ित परिवार को जल्द मुआवजा दिलाने इ-डार पर फौरन भरे डिटेल जानकारी-एसएसपी सूरजपुर

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-ई-डार यानि इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्स एक्सीडेंट रिपोर्ट के कार्यो को गति दिये जाने को लेकर डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले के थाना-चौकी प्रभारियों, सीसीटीएनएस ऑपरेटरों, पीडब्ल्यूडी, आरटीओ विभाग के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। सड़क दुर्घटना में मृत लोगों के परिजनों को समय पर मुआवजा भुगतान के लिए आइरेड और इ-डार पर दुर्घटना संबंधित रिपोर्ट थाना द्वारा अपलोड करनी होती है। प्रशिक्षण में स्टेप बाइ स्टेप जानकारी अपलोड करने की जानकारी दी गई।

इस ऑनलाइन एप पर सड़क दुर्घटना की रिपोर्ट के अपलोड करने में विलम्ब होने के कारण मृतक के परिवार को मुआवजा भुगतान में विलंब होता है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर के संज्ञान में यह बात सामने आयी तो उन्होंने सड़क दुर्घटना में पीड़ित परिवार को जल्द मुआवजा दिलाने इस प्रशिक्षण का आयोजन कराया। उन्होंने बताया कि इस सॉफ्टवेयर पर डाटा अपलोड नहीं हो पाने के कारण मुआवजा भुगतान में विलंब होता था इसलिए यह प्रशिक्षण दिलाया गया ताकि पीड़ित पक्ष को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध हो सके। इस पोर्टल के पीछे शासन का मकसद यह है कि डिजिटल सिस्टम का फायदा लोगों को मिले और पीड़ित परिवार के लोगों को मुआवजा भुगतान में परेशानी ना हो।

एनआईसी के आई-रेड एवं इ-डार के ड्रिस्टिक रोलआउट मैनेजर जयप्रकाश मेश्राम ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने जानकारी दी कि ई-डार रिपोर्ट में एक से लेकर 10 तक फॉर्मेट भरना जरूरी है। इसे भरने की जानकारी दी। सभी फॉर्मेट को संबंधित मामले के अनुसंधानकर्ता द्वारा ही भरा जाना है। फॉर्मेट एक को पुलिस अनुसंधानकर्ता के हस्ताक्षर से अपलोड किया जाना है। ज्ञात वाहन से मौत होने पर ई-डार पर रिपोर्ट करने के बाद पीड़ित परिवार को मुआवजा दिये जाने का प्रावधान किया गया है। पुलिस अनुसंधानकर्ता द्वारा ई-डार के सभी फॉर्मेट भरना जरूरी है। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि अज्ञात वाहन से मौत होने पर डीटीओ कार्यालय द्वारा प्रक्रिया करना होता है। जबकि ज्ञात वाहन से मौत होने पर मुआवजा आवेदन की जिम्मेदारी संबधित अनुसंधानकर्ता को दी गयी है। जिले के सभी चौकी व थाना में ई-डार के एक नोडल पुलिस पदाधिकारी बनाए गए हैं। उन्हें जिम्मेदारी दी गयी है कि केस आईओ से समन्वयक बनाकर ई-डार के फॉर्मेट में सभी कॉलम को पूरा करवाएं। इस दौरान सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी अजाक पीडी कुजूर, डीएसपी अनूप एक्का, रितेश चौधरी, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी व सीसीटीएनएस ऑपरेटर मौजूद रहे।

मिथिला समाज के सदस्यों ने बस्तर सांसद से भेंट कर रेल लाईन की स्वीकृति पर दी बधाई

रावघाट - जगदलपुर रेल लाईन को ले कर बस्तर सांसद को मिथिला समाज ने दी बधाई

केंद्र सरकार व सांसद का मिथिला समाज ने जताया आभार

जगदलपुर विश्व परिवार)। केंद्र सरकार द्वारा बस्तरवासियों को दिये गए रावघाट - जगदलपुर रेल लाईन की स्वीकृति हेतु आज मिथिला समाज बस्तर जिला के सदस्यों ने बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप से भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। मिथिला समाज के सदस्यों ने सांसद को उनके गृह निवास पहुँचकर पुष्प माला के साथ उनका आत्मीय स्वागत किया है।

समाज के अध्यक्ष श्री अजय पाठक ने बताया कि बस्तरवासियो को मिले इस सौगात से जल्द ही बस्तरवासियों को ट्रेन के माध्यम से सरल व सुगम परिवहन कर रायपुर तक जाने की सुविधा मिलेगी। सांसद जी के इस ओर किये जा रहे कार्यो की हम मिथिला समाज के सदस्य सरहाना करते है।

समाज के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ सदस्य श्री बृजबिहारी झा ने कहा कि हम मिथिलांचल वासियो को बिहार जाने के लिए जगदलपुर से रायपुर तक कि दूरी बस में तय करने पड़ती थी ,जो कि बहुत ही कष्ट भरा सफ़र होता था,डबल इंजन सरकार ने रावघाट - जगदलपुर रेल लाईन की नई स्वीकृति दे कर इस सफ़र को सुगम बनाने की ओर सेतु का कार्य किया है। मै समाज की ओर से डबल इंजन सरकार के सभी नेताओं का इस ओर कार्य करने हेतु उनको धन्यवाद ज्ञापित करता हु।समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री संपत झा ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा बस्तरवासियों के बहुप्रतीक्षित सपने को पूरा करते हुए रावघाट से जगदलपुर तक की रेल लाइन परियोजना के लिए साढ़े 3 हजार 513 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। 140 किमी लंबी इस रेलवे ट्रैक के पूर्ण होने से बस्तर के जिन हिस्सों के लिए रेल का सफ़र एक सपने के सामान था वह शीघ्र ही हकीकत में तब्दील होगी। इस बहुप्रतीक्षित मांग के पूर्ण होने पर मिथिला समाज के सदस्यों द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार एवं बस्तर के सांसद श्री महेश कश्यप का हार्दिक आभार व्यक्त कर

बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने मोदी सरकार द्वारा आमजनों के हितार्थ समस्त कार्यों को पूर्ण किये जाने की बात कही। श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ को भाजपा सरकार ने बनाया था अब उसे सवारने का काम भी भाजपा सरकार कर रही है। रावघाट - जगदलपुर रेल लाईन कार्य पूर्ण होने से जल्द ही अनेको ट्रेनों का संचालन भविष्य में बस्तर तक हो सकेगा ,जिसके माध्यम से बस्तर से देश के अनेको छोर तक बस्तरवासी आरामदायक सफ़र का अनुभव ले सकेंगे। बस्तरवासियो व आज मिथिला समाज के सदस्यों द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत एवं सम्मान अभिनंदन के लिए मैं हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। आप सभी का स्नेह, अपनत्व और शुभकामनाएं जनसेवा क्षेत्र में कार्य करने के लिए मुझे परिलक्षित करती हैं।

इस दौरान श्री सूर्यकांत झा,श्री रामशंकर झा,श्री अरुण पाठक,श्री भोगेन्द्र राय,श्री विजय झा,श्री रूपेश झा,श्री देव कुमार झा,श्री विनय झा,श्री विवेकानंद झा,श्री बेचन झा,श्री शशि भूषण झा,श्री उमा झा,श्री इंद्रकुमार झा,श्री दिलीप झा,श्री विकास झा श्री मनोज ठाकुर श्री आनंद झा सहित मिथिला समाज के सदस्य उपस्थित थे।

सभी को पक्का मकान मिले, यह स्वप्न साकार कर रही डबल इंजन की सरकार - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण देव ने जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में दरभा मण्डल की ग्राम पंचायत मावलीपदर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो मकानों का गृह प्रवेश एवं नये बनने वाले 101 आवास का भूमिपूजन किया

प्रधानमंत्री आवास योजना के सभी ग्रामीण हितग्राहियों का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने किया सम्मान

जगदलपुर विश्व परिवार)। जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में आज मंगलवार को दरभा मंडल में ग्राम मावलीपदर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो नये मकान एवं 101 प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों का विधिवत गृह प्रवेश एवं भूमिपूजन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने किया। दरभा मंडल में मावलीपदर पंचायत में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना के दो नवनिर्मित आवास का पूरे पूजा विधान के साथ गृह प्रवेश कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने आवास मालिक भगतराम एवं चितरी को स्वंय के नये आवास की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की मंशा सभी का पक्का मकान हो । हमारे देवतुल्य जनमानस का स्वयं का पक्का मकान बने । इसी तारतम्य में प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ किया गया है। जिसमें हमारे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिलें। मावलीपदर में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना में गृह प्रवेश एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव का ग्रामवासियों ने पारंपरिक रूप से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके पश्चात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने सभी हितग्राहियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत व सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण देव ने प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित सभी ग्रामीण हितग्राहियों से भेंट की, उनसे बातचीत कर उन्हें सम्मानित करते शुभकामनाएं एवं बधाई दिया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सपना की सभी के पास हो पक्का मकान इसी तारतम्य में आज जगदलपुर विधानसभा के दरभा ब्लॉक के मावलीपदर ग्राम में 101 हितग्राहियों के प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। यह एक ऐतिहासिक पल है कि एक पंचायत में एक साथ 101 पात्र हितग्राहियों का आवास का स्वीकृति प्राप्त हुई है । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने गृह प्रवेश एवं पात्र हितग्राहियों से भेंट कर उन हितग्राहियों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि आप सभी के पास अब पक्का मकान होगा। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की मंशा के अनुरूप सभी के पास हो पक्का मकान जिसका लाभ हमारे जनता को मिले । हमारी डबल इंजन की सरकार जनता के लिए कई महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं को लाया है जिसमें महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री आवास योजना जिसमें सभी के पास अपना स्वंय का पक्का मकान बने। इसी लक्ष्य के साथ शासन कार्य कर रही है। श्री देव ने पूरे देश में प्रधानमंत्री आवास का लाभ प्राप्त हो रहा है। क्षेत्र में विकास कार्य अनवरत जारी रहेगा। आवास, सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा,पुल , पुलिया जैसे मूलभूत सुविधा देना हमारा दायित्व है। हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार लगातार जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू कर जन जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। इस दौरान विद्यासरण तिवारी, मनोहर तिवारी,जनपद अध्यक्ष मानकदई कश्यप।

प्रेमनगर में कांग्रेस ने निकाली संविधान बचाओ रैली, आम सभा में गरजे नेता

भाजपा पर लगाया संविधान को कमजोर करने का आरोप

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे ÷संविधान बचाओ अभियान÷ के तहत सूरजपुर जिले के प्रेमनगर ब्लॉक मुख्यालय में एक भव्य रैली एवं जनसभा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, महिला मोर्चा, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली का शुभारंभ प्रेमनगर स्थित कांग्रेस कार्यालय से हुआ, जहाँ से कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा और संविधान की प्रति लेकर संविधान बचाओ, देश बचाओ की नारेबाजी करते हुए साप्ताहिक बाजार पहुंचे।

रैली में÷संविधान बचाओ ङ्क देश बचाओ÷, ÷लोकतंत्र नहीं तो कुछ नहीं÷, ÷अंबेडकर का सपना ङ्क सबका अधिकार अपना÷ जैसे नारे गूंजते रहे। रैली के माध्यम से जनता को भारतीय संविधान की मूल भावना, उसकी रक्षा और लोकतंत्र के महत्व के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। साप्ताहिक बाजार होते हुए यह रैली आम सभा स्थल पर पहुँची, जहाँ जनसमूह को संबोधित करने के लिए एक विशाल मंच तैयार किया गया था। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेश सचिव वह जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े ने कहा कि कि वर्तमान केंद्र सरकार संविधान की मूल आत्मा को नष्ट करने पर लगा हुआ है और लगातार ऐसे कदम उठा रही है जो लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, आरक्षण और नागरिक अधिकारों को कमजोर करते हैं। वही युवा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव ने सुश्री शशि सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ÷देश का संविधान खतरे में है। जिन नेताओं ने आज़ादी के बाद इसे बनाने में योगदान दिया, जिन्होंने इसके लिए संघर्ष किया, आज उन्हीं के बनाए संविधान को तोड़-मरोड़ने की कोशिश की जा रही है। यह केवल एक राजनीतिक लड़ाई नहीं, बल्कि देश के भविष्य की लड़ाई है। हमें एकजुट होकर संविधान की रक्षा करनी होगी।÷

कांग्रेस नेत्री उषा सिंह ने भी भाजपा सरकार के ऊपर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा संविधान से खिलवाड़ कर रही है ÷संविधान सिर्फएक किताब नहीं, यह देश के हर नागरिक की आत्मा है। अगर संविधान नहीं बचा तो न तो आरक्षण बचेगा, न ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। जो सरकार इस पर हमला कर रही है, उसे लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देना होगा।÷

सभा में महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई और अनुसूचित जाति विभाग के नेताओं ने भी अपने विचार रखते हुए संविधान के महत्व को बताया और आम जनता से आह्वान किया कि वे ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करें जो संविधान को कमजोर करता हो।

कार्यकर्ताओं में जोश, जनता में जागरूकता का संचार- इस आयोजन के माध्यम से कांग्रेस ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि संविधान की रक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और वह किसी भी कीमत पर लोकतांत्रिक व्यवस्था से समझौता नहीं करेगी। आयोजन में भाग लेने वाले स्थानीय नागरिकों ने भी संविधान के पक्ष में अपनी आवाज़ बुलंद की और कांग्रेस नेताओं की अपील को सराहा। संविधान बचाओ रैली व जनसभा का आयोजन प्रेमनगर में बेहद अनुशासित, उत्साही और जनजागरूकता से परिपूर्ण रहा, जो आने वाले समय में इस अभियान को और गति देगा। कांग्रेस पार्टी ने यह स्पष्ट किया कि संविधान की रक्षा के लिए वह हर मोर्चे पर संघर्ष करने को तैयार है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इस्माइल खान ,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जगते, तुलसी यादव, से जिला अध्यक्ष आकाश साहू,ब्लॉक अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदीप सिंह ,आलोक जागते, अशोक देवांगन पवन दीवान, रोहित कनोजे, सहित भारी मात्रा में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

9 माह के पुत्र की हत्या व पत्नी पर प्राणघातक हमला करने वाले आरोपी को थाना भटगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- 6 जून को ग्राम चंदरपुर भटगांव निवासी राजसाय बखला ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 9 जून की सुबह 5 बजे इसका भतीजा शिवराम टोप्पो अपनी पत्नी एवं 9 माह के पुत्र को टांगी से प्रहार कर पत्नी के चेहरे में दोनों तरफ तथा पुत्र को गंभीर चोट पहुंचाया था जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय सूरजपुर लाया गया जहां 9 माह के बालक की मृत्यु हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायमी उपरान्त धारा 103(1), 109(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। थाना भटगांव पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए दबिश देकर आरोपी शिवराम टोप्पो पिता स्व. चलितर टोप्पो उम्र 21 वर्ष ग्राम चंदरपुर थाना भटगांव को पकड़ा। पूछताछ पर उसने टांगी से प्रहार कर 9 माह के बालक की हत्या करना एवं पत्नी को प्राणघातक चोट पहुंचाना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टांगी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व डीएसपी रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भटगांव सरफ़राज फ़िरदौसी व उनकी टीम सक्रिय रही।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से अपने घर के छत पर 300 यूनिट तक बिजली का उत्पादन

सोलर प्लांट लगाने के लिए 30 हजार से 78 हजार रूपए तक का अनुदान

योजना से लाभान्वित होने ऑनलाईन कर सकते हैं आवेदन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से अपने घर के छत पर ही 300 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली उत्पादन किया जा सकता हैं। इसके लिए उपभोक्ताओं को सस्ते ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध किया जा रहा है। इसके साथ ही अधिकतम 78 हजार रूपए का अनुदान भी किया जाता है। हमारे सौर मंडल में ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत सूर्य है। सौर ऊर्जा को ग्रीन एनर्जी भी कहते हैं, क्योंकि इससे बिजली उत्पादन में प्रदूषण नहीं होता। यदि लोगों के घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जाए तो यह बिजली आम जनता को निःशुल्क मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है। जिसके तहत मार्च 2027 तक देश के एक करोड़ घरों में रूफ टॉप सोलर प्लांट लगवाने का संकल्प लिया गया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ में 5 लाख रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा है। एक से तीन किलोवॉट तक का सोलर प्लांट लगाने के लिए 30 हजार से 78 हजार रूपए तक का अनुदान दे रही है। तकनीकी रूप से तीन किलोवॉट के सोलर प्लांट में हर माह औसतन 300 यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। छत पर उत्पादित पूरी बिजली, यदि आपके घर में उसी माह उपयोग नहीं होती तो वह सीएसपीडीसीएल के ग्रिड में संरक्षित कर आगामी माह के उपयोग हेतु उपलब्ध रहेगी। जिसका फायदा लाभार्थी घरेलू उपभोक्ता को निरंतर प्राप्त होता रहेगा। उपभोक्ता पीएम सूर्यघर योजना के पोर्टल या मोबाइल ऐप में जाकर पंजीयन कराएं और इस योजना के सभी लाभ ले सकते हैं। यह योजना बिजली बिल हाफ नहीं बल्कि बिजली बिल समाप्त कर देगी। यानी आपको 3 किलोवॉट के सोलर प्लांट पर 300 यूनिट बिजली हर माह मुफ्त मिलेगी। आप खुद बिजली के उत्पादक भी हैं और उपभोक्ता भी।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत लाभार्थियों को 78 हजार रूपए तक अनुदान सीधे उनके बैंक खाते में ट्रांसफर किया जाएगा। इस योजना से बिजली बिल कम और नवीन रोजगार सृजन होगा तथा अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। योजनांतर्गत औसत मासिक विद्युत खपत 0-105 यूनिट के लिए 1-2 किलो वॉट के रूफटॉप सोलर प्लांट क्षमता हेतु 30 हजार रूपए से 60 हजार रूपए तक का अनुदान दिया जाएगा। औसत मासिक विद्युत खपत 150-300 यूनिट के लिए 2-3 किलो वॉट के रूफटॉप सोलर प्लांट क्षमता हेतु 60 हजार रूपए से 78 हजार रूपए तक का अनुदान। औसत मासिक विद्युत खपत 300 से अधिक यूनिट के लिए 3 किलो वॉट से अधिक रूफटॉप सोलर प्लांट क्षमता हेतु 78 हजार रूपए तक का अनुदान। ग्रुप हाऊसिंग सोयायटी एवं निवासी कल्याण संघ के लिए 18 हजार रूपए प्रति किलोवाट अनुदान का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित होने आवेदन करने की प्रक्रिया

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया 5 स्टेप में की जा सकती है। पहले स्टेप में सबसे पहले पोर्टल 222.श्चद्वह्यह्वह्म्4द्दद्धड्डह्न.द्दश1.द्बठ्ठ पर रजिस्टर व पंजीयन कराना होगा। अपने राज्य का चुनाव कर इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, इलेक्ट्रिसिटी कन्ज्यूमर नंबर का चुनाव करना होगा। अपना मोबाईल नंबर और मेल आईडी प्रविष्ट करना होगा। स्टेप-2 में कन्ज्यूमर नंबर और मोबाईल नंबर से लाग-इन कर रूफटॉप सोलर के लिए आवेदन कर सकते हैं। स्टेप-3 में अब अपूर्वल के लिए इंतजार करना होगा एवं विद्युत विभाग में पंजीकृत वेंडर से ही सौर संयंत्र लगवायें। स्टेप-4 में एक बार इंस्टालेशन पूरा हो जाने पर प्लांट का विवरण जमा करना होगा और नेट मीटर के लिए ओवदन करना होगा। स्टेप 5 में नेट मीटर की स्थापना और डिस्कॉम द्वारा निरीक्षण के बाद पोर्टल से प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। स्टेप-6 में कमिशनिंग रिपोर्ट प्राप्त कर, अपना बैंक खाता विवरण तथा निरस्त चेक पोर्टल के माध्यम से जमा करना होगा। जिसके पश्चात कुछ ही दिनों के भीतर आपको सब्सिडी प्राप्त हो जायेगी।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर बुधवार 11 जून 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

ऑपरेशन सिंदूर-जीत के साये में उपजे सवाल

बस्तर एलडब्लूई सूची से बाहर

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले का नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से हटना सिर्फ राज्य ही नहीं अपितु पूरे देश के लिए राहत की खबर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मार्च, 2026 तक देश को नक्सली हिंसा से मुक्त कराने की घोषणा के बाद से ही सुरक्षा बल जी-जान से नक्सल विरोधी अभियान में जुटे हुए हैं। हाल में नक्सलियों के सबसे बड़े नेता बसव राज और सेंट्रल कमेटी नेता चलपति के मारे जाने के बाद से ही वामपंथी अतिवादी हलकों में पसरा सन्नाटा उनके हौसले टूटने का संकेत दे रहा है। यह छत्तीसगढ़ राज्य विशेषकर बस्तर क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। बस्तर न केवल एक जिला है, बल्कि संभाग भी है, जिसमें कुल 7 जिले शामिल हैं-ये हैं-बस्तर (मुख्यालय- जगदलपुर), कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर (जो पूर्व में दंतेवाड़ा से अलग हुआ)। हालांकि बस्तर जिला अब एलडब्लूई सूची से बाहर हो चुका है, लेकिन बस्तर संभाग के अन्य कुछ जिले अब भी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। हालांकि नक्सल विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों को मिल रही सफलता इस पूरे क्षेत्र को मार्च, 2026 से काफी पहले ही वामपंथी अतिवादी हिंसा से मुक्त कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है। आदिवासियों के जल, जमीन और जंगल पर हक की लड़ाई के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अतिवादी हिंसा में परिणत होकर रास्ता भटक चुका था। पिछले तीन-चार दशकों में इस हिंसा में भारी खूनखराबा हुआ है और इलाके का विकास कई दशक पीछे चला गया है। हिंसा में अब तक 2000 से अधिक ग्रामीण और सुरक्षा बलों के 1400 से अधिक जवान मारे जा चुके हैं। स्थानीय लोग हिंसा से आजिज आ चुके हैं। सुरक्षा बलों को अभियानों में मिल रही कामयाबी में स्थानीय लोगों का साथ मिलना काबिलेगौर तथ्य है। सुरक्षा बलों में स्थानीय भाषा, संस्कृति और क्षेत्र के चप्पे-चप्पे के जानकार स्थानीय लोगों की भर्ती कारगर साबित हुई है जिसने माओवादियों के प्रचार अभियानों को भारी नुकसान पहुंचाया और उनके छिपने के ठिकानों की संख्या सीमित कर दी। सुरक्षा बलों को मिला तकनीक का साथ भी कारगर रहा। सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी ने भी उल्लेखनीय काम किया है। नेतृत्व के अभाव में उनके कैडर में दिशाहीनता की स्थिति है। यह लाल आतंक से प्रभावित क्षेत्र के सिमटते जाने की निशानी है। उम्मीद है कि क्षेत्र में प्रगति और विकास कार्य के रास्ते खुलेंगे।

अशोक वर्मा

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सीमावर्ती इलाकों में अमन की वापसी हो चुकी है। यही वह वक्त है, जब हमें जीत के जोश और जज्बे के पीछे दुबकी परछाइयों पर ध्यान देना होगा। इनके सीने में गौरतलब सवाल कसमसा रहे हैं। भारतीय इतिहास के हाशियों में दर्ज पुरागाथाएं गवाह हैं कि उनकी शताब्दियों तक अनदेखी की गई। ईसा पूर्व 326 से 1962 तक विदेशी आक्रमणकारी इसीलिए हमारे जान-माल की कीमत पर जीत का जश्न मनाते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति-नीति के आलोक में हमें अब पराक्रम और सामरिक सफलता के फर्क को सदा-सर्वदा के लिए मिटाने की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं? याद करें। वर्ष 1971 में हमने पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांटने में सफलता अर्जित की। इस महाविजय के 28 साल बाद भारत ने नया कीर्तिमान रचा। इस बार कारगिल की प्राणलेवा ऊंचाइयों पर पाक फौज को परास्त कर पर्वतीय युद्ध के नए कौशल ने दुनिया को अचरज में डाल दिया था। इसके बावजूद न दहशतगर्द रुके और न दहशत। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये नए सिद्धांत का प्रतिपादन किया है। अब हर आतंकवादी हमला युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और हम कार्रवाई करते वक्त किसी परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरेंगे। भारत-पाकिस्तान के जन्मजात रिश्तों में यह अहम मुकाम है। यहां अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान समूचा देश नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा था, तब कुछ विघ्न संतोषी बाज नहीं आ रहे थे। अपनी बात समझाने के लिए एक पुराने अनुभव का हवाला देना चाहूंगा। वह ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा दिन था। अपने प्रांतीय संपादकों से रोजमर्रा की कामकाजी चर्चा के दौरान मैंने उन्हें सलाह दी कि वे हर स्टेशन पर पता करें कि जिन ट्रेनों में हमारे फौजी सीमा की ओर कूच कर रहे हैं, उनके प्रति आम आदमी की भावना क्या है, मगर इसकी नौबत नहीं आई। साथियों का जवाब था कि अब अगर विशेष ट्रेनें चल भी रही हैं, तो उन्हें सिर्फ जरूरत पड़ने पर स्टेशन पर रोका जाता है। उस समय किसी सामान्य व्यक्ति का उस प्लेटफॉर्म पर प्रवेश

वर्जित होता है। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा और अभियान की गोपनीयता के लिए किया जा रहा है। मेरी स्मृतियों में 1965 और 1971 का जंगी माहौल समूचे रोमांच के साथ सरसब्ज हो उठा। उन दिनों मेरे माता-पिता मिर्जापुर या इलाहाबाद के स्टेशनों पर बड़ी मात्रा में भोजन और पानी लेकर पहुंचते। हम उसे कृतज्ञतापूर्वक जवानों को सौंप खुद को धन्य महसूस करते। सैकड़ों लोग वहां उमड़ पड़ते थे। मैंने महिलाओं को उन जवानों को राखी बांधते और रो-रोकर दुआएं देते देखा है। मेरे पिता घर छोड़ने से पहले हर बार ताकीद करते, हाथ जोड़कर प्रणाम बोलना और जोर से 'जय हिंद' कहना मत भूलना। स्टेशन और उसके आस-पास उस समय गर्जना थिरक रही होती, आगे-आगे तुम बढ़ो, पीछे तुम्हारे साथ हैं। वह कोरी भावुकता नहीं थी। देशवासियों का वह जज्बा हमारे पराक्रमियों को पराजय के ऐतिहासिक सिलसिले से बाहर निकालने के लिए प्रेरित कर रहा था। आज क्या हाल है? क्या यह बदले वक्त का तकाजा है कि हमारी खोखली भावुकता अब सिर्फ की-बोर्ड पर थिरकती उंगलियों तक सीमित रह गई है?? सोशल मीडिया पर बजबजाते हुए तमाम भारतवंशी भूल जाते हैं कि हमारे कुछ हमवतन उनके शब्दबाणों से आहत हो रहे हैं। खुद को सेलिब्रिटी मानने और संविधान की शपथ लेकर मंत्री पद तक पहुंचने वाले भी इस उन्माद के शिकार हैं। संघर्ष के 'सस्पेंस' भरे दिनों में कर्नल सोफिया कुरैशी प्रतिदिन सैन्य कार्रवाई की जानकारी दिया करती थीं। यह मोदी सरकार का समझदारी भरा फैसला था। इसके जरिये समूची दुनिया को संदेश जा रहा था कि भारत के 140 करोड़ लोग मुट्ठी बांधे एक साथ खड़े हैं। इसी दौरान मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह का लिजलिजा बयान मीडिया में उभरा। उन्होंने अप्रत्यक्ष तौर पर कर्नल कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी की थी। उनकी इस हरकत से न केवल देश आहत हुआ, बल्कि यह आशंका भी उत्पन्न हो गई कि भारत के दुश्मन इसका नाजायज उपयोग कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी के आला नेतृत्व के हस्तक्षेप से उन्हें क्षमा मांगनी पड़ी, लेकिन उनका करा-धरा यहीं समाप्त नहीं हुआ। जबलपुर उच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेते हुए उनके ऊपर मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी कर दिया। इंदौर पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। देश की आला अदालत ने भी उनकी लानत-मलामत की है। इसी तरह, खुद को राष्ट्रभक्तों का अगुआ बताकर सीना ठोकने वाले एक अवकाश प्राप्त मेजर साहब की करतूत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमें रक्षात्मक बनने के लिए विवश कर गई। उन्होंने ईरान के विदेश मंत्री के महत्वपूर्ण भारतीय दौरे के अवसर पर उनके लिए एक ऐसा शब्द कह डाला, जो अनुचित और अनैतिक था। ईरान ने इसका तत्काल संज्ञान लिया, लेकिन भारतीय विदेश मंत्रालय ने तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए मामले को बिगड़ने से बचा लिया। और तो और, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी सोशल मीडिया के इन आतताइयों के शिकार हुए। वह ऐसे अधिकारी हैं, जिन पर देश की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कायम रखने की जिम्मेदारी है। खुद को देशभक्त बताने वाले लोग खुल्लमखुल्ला उनको सपरिवार लांछित कर रहे थे। पहलगाम के नरमेध में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल भी इस वैचारिक बर्बरता की शिकार बनीं। उन्होंने सिर्फ यही तो कहा था कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों से है, मुसलमानों से नहीं। उस समय तक हिमांशी का दुख और हाथों की मेंहदी ताजा थी। दुर्भाग्य से सोफिया कुरैशी, विक्रम मिसरी और हिमांशी नरवाल जैसे हजारों हमवतन इस नफरती फौज के शिकार बने। अब एक बार फिर सीमाओं की ओर लौटते हैं। पाकिस्तान ने इस दौरान कई ऐसे हथियारों का प्रयोग किया, जो चीन में बने थे। उनकी सफलता के दावे यकीनन अतिरंजित हैं, लेकिन तमाम प्रतिरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन द्वारा उपलब्ध कराया गया साजो-सामान नई चुनौती खड़ी करता है। वह भी तब, जब चीन अगली पीढ़ी की जंगी सामग्री पाक को देने की तैयारी कर रहा है। संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के साथ खुल्लमखुल्ला खड़े होकर उसने हमारे देश की सामरिक संवेदनशीलता को और बढ़ा दिया है। पूर्वोत्तर सीमा पर उसके सैनिक हैं और पश्चिमी सीमा पर उसके हथियार। दोनों देशों के बीच संघर्ष-विराम के ऐन बाद यह खबर भी आई कि उसने अरुणाचल प्रदेश के कई गांवों, कस्बों और शहरों के नाम बदल दिए हैं। बीजिंग का सत्ता-सदन 2017 से ऐसी अनाधिकार हरकतें करता आया है, पर भारत-पाक तनाव के बीच ऐसा करने की जरूरत क्या थी? याद करें। भारत के दो पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस और मुलायम सिंह यादव खुलेआम कहा करते थे कि हमें चीन से असली खतरा है। इसे तब समाजवादी सोच का अतिवाद कहकर हंसी में उड़ा दिया जाता था। क्या वे वाकई अतिरंजना कर रहे थे?

आलेख

भारत और फ्रांस के बीच गहराते मतभेद

प्रमोद भार्गव

फ्रांस की फ्रांसीसी डिफेंस कंपनी डसॉल्ट एविएशन भारत को राफेल लड़ाकू विमान का कूट संकेत (सोर्स कोड) देने को तैयार नहीं है। कूट संकेत को नहीं देने से भारत और फ्रांस के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। भारत की इच्छा थी कि इस कूट तकनीक के मिलने के बाद भारत अपनी ब्रह्मोस जैसी स्वदेशी मिसाइलें और अन्य रक्षा पग्रालियां राफेल में जोड़ कर उन्हें बहुआयामी रूपों में इस्तेमाल कर लेगा। लेकिन कूट संकेत के बिना यह संभव नहीं है। इस कारण राफेल सौदा निरस्त भी हो सकता है। एक समय था जब फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खूब गलबहियां डाले दिखाई देते थे। अब उसी फ्रांस ने भारत को कूट संकेत देने से मुंह फेर लिया है। यह सोर्स कोड मूल रूप में सॉफ्टवेयर होता है। इससे पहले भी भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान इंजन कावेरी के लिए फ्रांसीसी कंपनी ने भारत को मदद करने से मना कर दिया था। किसी भी विमान या कंप्यूटर आधारित संचार प्रणाली से जुड़े विमान या उपकरण के लिए कूट संकेत प्रोग्रामर द्वारा तैयार किया जाता है। इसी के दर्ज होने पर कंप्यूटर प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है यानी कंप्यूटर कूट संकेत या सोर्स कोड किसी भी कंप्यूटर प्रोग्राम की नींव होता है। दरअसल, प्रोग्रामर का सोर्स कोड निर्देशों का ऐसा समूह होता है, जो प्रोग्राम को संचालित करने का काम करता है। सोर्स कोर्ड लिखने की प्रक्रिया को आम तौर पर कोडिंग या प्रोग्राम्रिंग कहते हैं। इसी कोड को फ्रांस ने देने से मना कर दिया है। नतीजतन, भारत ने फ्रांस से जिन 26 राफेल मरीन विमानों की खरीद का सौदा करने की तैयारी की है, यदि वह इन विमानों को खरीद लेता है तो इस कोड के बिना राफेल में ब्रह्मोस मिसाइल और अन्य स्वदेशी हथियारों की संचालन प्रक्रिया राफेल में लोड नहीं कर पाएगा। तब ये हथियार चलाए ही नहीं जा सकेंगे। राफेल से वही हथियार चलाए जा सकेंगे, जो फ्रांस से खरीदे जाएंगे। फ्रांस संभवत- यह तकनीक इसीलिए नहीं दे रहा है कि भारत की मजबूरी फ्रांस से हथियार खरीदने की बनी रहे। यह सौदा टूटता है तो भारत इसकी जगह रूस के एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीद सकता है। रूस विमान के साथ कूट संकेत देने को राजी है। अतएव भारत अपनी मिसाइल और अन्य मारक हथियारों को इस विमान से शत्रु पर दाग सकता है। इस नाते भारत स्वदेशी हथियारों के निर्माण में आगे बढ़ेगा। अपने हथियारों को विदेशी बाजार में बेचने को भी स्वतंत्र रहेगा। भारत सरकार की मंशा स्वदेशी रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देना भी है। इस दृष्टि से भारत ने अपनी वायुसेना के लिए पांचवीं पीढ़ी के आधुनिक डीप पेनिट्रेशन एडवांस मीडियम काम्बैट एयरक्रॉप्ट (एएमसीए) को स्वदेश में ही विकसित करने की बड़ी परियोजना पर काम करना शुरू कर दिया है। इस परियोजना को अंजाम देने का काम सरकारी और निजी कंपनियों की संयुक्त भागीदारी से आगे बढ़ेगा और पांचवीं पीढ़ी के आधुनिक लड़ाकू विमानों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। वस्तुत- सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) सरकार से सरकार के बीच सौदे के तहत 64 करोड़ रु पये की लागत से भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस से 26 राफेल-एम (मैरी टाइम) विमानों की खरीद को अंतिम रूप दे चुकी है। इन्हें विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सुरक्षा के लिए खरीदा जा रहा था। इनमें एक सीट वाले 22 और दो सीट वाले 4 लड़ाकू विमान खरीदे जाते। इस खरीद में फ्रांस सरकार की ओर से नौसेना के लिए हथियार, सिम्युलेटर, कलपुर्जे, सहायक उपकरण, स्पेयर पार्टस और पायलटों को प्रशिक्षण भी दिया जाना शामिल था। राफेल एम विमानों के अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद 37 से 65 महीनों के भीतर सप्लाई होनी थी यानी विमानों की आपूर्ति 2030-31 के भीतर हो जाएगी। फ्रांस से भारत ने 36 पूर्व में भी राफेल विमान खरीदे जा चुके हैं। लेकिन कूट संकेत नहीं देने के कारण यह सौदा निरस्ती के कगार पर पहुंच गया है। हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन वर्चस्व बढ़ाने में लगा है। इसलिए अब भारत रूसी लड़ाकू विमान एसयू-57 खरीदने का विचार कर रहा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन एसयू-57 लड़ाकू विमान की प्रौद्योगिकी और सोर्स कोड भारत को देने को तैयार हैं। यदि भारत सरकार रूस से विमान खरीदती है, तो रूसी कंपनी का दावा है कि वह एसयू-30 विमान उत्पादन ईकाई से ही इसी साल एसयू-57 लड़ाकू विमानों का उत्पादन भारत में शुरू कर देगी।

मृत्यु स्वाभाविक चरण और शात सत्य है

अमरपाल सिंह वर्मा

इन दिनों दक्षिण भारत का एक वीडियो खूब देखा जा रहा है। वीडियो एक विवाह समारोह का है, जिसमें दूल्हे के दिवंगत पिता को स्वर्ग से उतरते हुए दिखाया गया है। वह अपनी पत्नी और बेटों से मिलते और समारोह में शामिल होकर भोजन करते हुए भी नजर आते हैं। इसके बाद उन्हें फिर 'स्वर्ग' प्रस्थान करते दिखाया गया है। वीडियो को देख अनेक लोग हैरान हैं। कई लोग इसे देख भावुक भी हो उठते हैं पर इस वीडियो ने कई सवाल भी खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल, यह वीडियो एआई तकनीक से बनाया गया है जिसने डिजिटल क्रांति की तेज लहरों में बहते हुए अब जीवन की अंतिम सीमा यानी मृत्यु को भी तकनीकी प्रयोगों का हिस्सा बना दिया है। ये प्रयोग पश्चिमी देशों में खूब फल-फूल रहे हैं, और इसकी बदौलत वहां बाकायदा एक बड़ा उद्योग खड़ा हो गया है, जिसे 'डेथ टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीज' नाम दिया गया है। दक्षिण भारत के वीडियो से पता चलता है कि अब भारत में भी इसके अंकुर फूटने लगे हैं। बड़ा सवाल यह है कि यह हमारे समाज में उगता हुआ भविष्य है, या भावनात्मक व्यापार? भारत में इसके लिए कारोबारी संभावनाएं तलाशने के लिए काम हो रहा है। जिस घर में भी मृत्यु होती है, वहां के लोगों को सांत्वना की जरूरत होती है। अपने परिजनों को खो देने वाले लोगों के घर तक जा कर सांत्वना देना हमारे समाज का स्थापित लोकाचार है, जिसमें तकनीक शामिल हो गई है। कई डिजिटल श्रद्धांजलि वेबसाइट्स, ऑनलाइन श्राद्ध और पूजा सेवाएं वगैरह पहले से हैं। इसमें नया अवतार है होलोग्राफिक प्रोजेक्शन, जिसमें मृत व्यक्ति 'जीवित' दिखाई देता है। बड़ा सवाल यह है कि इस उद्योग के फैलने का समाज पर असर क्या होगा? क्या यह वास्तव में भावनात्मक सुकून का जरिया है, या माननीय संवेदनाओं से खेल कर पैसा बनाने का धंधा? बहरहाल, भले ही इस तकनीक का उद्देश्य श्रद्धा और स्मृति को बनाए रखना है, परंतु इसके दुष्परिणामों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। हमारे जीवन दर्शन में मृत्यु स्वाभाविक चरण और शात सत्य है, जिसका घटना लाजिमी है। हमें मृत्यु को स्वीकार कर आगे बढ़ना सिखाया जाता है, फिर भी यदि हम अपने परिजनों को पुनजीर्वित होते देखते हैं, तो सवाल उठता है कि क्या हम मृत्यु को स्वीकार कर पा रहे हैं? श्रद्धांजलि अर्पित करना अलग बात है पर जब हम तकनीक से मृतकों को 'पुनर्जीवित' करते हैं, तो क्या हम सच में श्रद्धांजलि दे रहे हैं, या अपने मोह और मृत्यु को अस्वीकार करने को तकनीकी जामा पहना रहे हैं? परिजन की मृत्यु को स्मृतियों में सहेजना और उससे प्रेरणा लेना तो समझ में आता है पर उस मृत्यु को 'न होने' जैसा दिखाना घट चुके सच को भावनात्मक रूप से अस्वीकार करना ही तो कहा जाएगा। लिहाजा, हमें देखना पड़ेगा कि यह उद्योग कहीं मृत्युरूपी सत्य को 'अनदेखा' करने का माध्यम तो नहीं बन रहा? हम दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं, इसके लिए पारंपरिक धार्मिक विश्वासों के आधार पर क्रिया-कलाप भी करते हैं। आत्मा को मोक्ष मिले, इसके लिए प्रार्थनाएं की जाती हैं। किसी की मृत्यु के उपरांत हम उसकी आत्मिक शांति के पक्ष में हैं, तो उसे बार-बार वर्चुअली बुलाना, एआई के जरिए उससे 'संवाद' करना, क्या आत्मा को बांधने के क्रियाकलाप में नहीं गिना जाएगा? क्या यह सब उस आत्मा की शांति में हस्तक्षेप नहीं होगा? जिस व्यक्ति के मोक्ष की हम कामना कर चुके, उसे इस प्रकार रूबरू कर लेना क्या पुनर्- आह्वान नहीं कहलाएगा? दिवंगतों के होलोग्राम को बार-बार देखना क्या वियोग के दुख को बढ़ाएगा नहीं? हमारे देश, जहां मानसिक बीमारियों को बीमारी ही नहीं माना जाता है, में यह तकनीक परेशानी को बढ़ाने का सबब बन सकती है। इससे अनेक वृद्धों, भावुक व्यक्तियों, मानसिक रूप से संवदेनशील और दिमागी तौर पर अस्वस्थ लोगों की समस्याएं बढ़ सकती हैं। होलोग्राम पर मृतकों को बार-बार देखना और चैटबॉट्स के जरिए उनसे 'बातें करना' ऐसे लोगों को भ्रमित कर सकता है। डेथ टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीज भारत में अपने आरंभिक चरण में है लेकिन इसके बीज बोए जा चुके हैं। मृत्यु शात सत्य है और हमारे यहां इसे स्वीकार कर आगे बढ़ने पर जोर दिया जाता है पर बड़ा सवाल है कि क्या यह उद्योग इस विचार के विरु द्ध नहीं है? निश्चित रूप से यह उद्योग मृत्यु का बाजारीकरण है। बाजारवाद के कंधों पर सवार तकनीक के जरिए श्रद्धा का अर्थ ही बदल जाएगा। जब कोई व्यक्ति नहीं रहेगा एवं एआई के जरिए उसकी उपस्थिति दर्ज की जाएगी और उसके लिए पैसा लिया जाए तो यह श्रद्धा नहीं, एक उत्पाद ही तो कहलाएगा। यह उद्योग उस विचार के विपरीत है जो कहता है कि मिट्टी में मिल जाना ही जीवन की पूर्णता है। क्या यह आत्मा की मुक्ति के विरुद्ध नहीं है? तो क्या इस उद्योग को नकार देना चाहिए? जरूरी नहीं कि हम इसे नकारें। नकारने की बजाय हमें श्रद्धा और तकनीक के बीच संतुलन बनाना चाहिए। बड़ा सवाल यह है कि इस उद्योग के फैलने का समाज पर असर क्या होगा? क्या यह वास्तव में भावनात्मक सुकून का जरिया है, या माननीय संवेदनाओं से खेल कर पैसा बनाने का धंधा? बहरहाल, भले ही इस तकनीक का उद्देश्य श्रद्धा और स्मृति को बनाए रखना है, परंतु इसके दुष्परिणामों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। हमारे जीवन दर्शन में मृत्यु स्वाभाविक चरण और शात सत्य है, जिसका घटना लाजिमी है। हमें मृत्यु को स्वीकार कर आगे बढ़ना सिखाया जाता है, फिर भी यदि हम अपने परिजनों को पुनजीर्वित होते देखते हैं, तो सवाल उठता है कि क्या हम मृत्यु को स्वीकार कर पा रहे हैं?

पाकिस्तान के परमाणु बम पर सोचें....

शशि शेखर

युद्ध की आशंकाओं से लरजती शनिवार की शाम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टवीट शांति की समझ लेकर आया। उन्होंने दोनों देशों को बधाई दी कि वे संपूर्ण संघर्ष-विराम के लिए तैयार हो गए हैं। बाद में भारत और पाकिस्तान, दोनों ने इसकी पुष्टि की। जो लोग अमन चाहते थे, उनके लिए यह खबर यकीनन सुकूनदेह है। जंग किसी समस्या का हल नहीं, पर क्या हमारे ऊपर थोपे जाने वाले आतंकवाद की आहटें हमेशा के लिए थम गईं तत्काल इसका जवाब देना असंभव है, पर एक बात तय है कि भारत ने अपना तात्कालिक लक्ष्य हासिल कर लिया है। पाकिस्तान में चल रहे आतंक के तमाम अड्डे ध्वस्त किए जा चुके हैं। पड़ोसी के साथ समूची दुनिया को संदेश मिल गया है कि अब पुरानी रवायत नहीं चल सकती। भारत का रुख हमेशा की तरह साफथा कि हम युद्ध नहीं चाहते। हमारी लड़ाई किसी मुल्क से नहीं, बल्कि आतंकवादियों से है। उन आतंकवादियों से, जो हमारे सपूतों के खून से अपने हाथ धोकर पाकिस्तान के अपने शरणालयों में चले जाना चाहते हैं। हम उनके उन आकाओं का खात्मा चाहते हैं, जिन्होंने पिछली 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में धार्मिक आधार पर 26 भारतीयों की हत्या की साजिश रची। उन्हें खत्म करना, हमारी पवित्र जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई दिल्ली की सरकार ने यही तो किया। दुर्भाग्य से पाकिस्तान अपनी पांच हजार साल पुरानी रवायत को भूल गया है। धर्म जोड़ने के लिए होता है, तोड़ने के लिए नहीं। भरोसा न हो, तो उनकी मिसाइलों के नाम देख लीजिए- गजनी, अब्दाली और न जाने क्या-क्या! वे भूल कैसे गए कि मध्य एशिया से आने वाले आक्रामकों ने सबसे पहले हिन्दुस्तान की उसी सरजमीं पर कदम रखा था, जिसे आज पाकिस्तान कहते हैं सबसे पहली कत्लोगारत और महिलाओं पर अत्याचार वहीं हुए थे। पड़ोसी मुल्क का दुर्भाग्य है कि उसके रहनुमा हमेशा से नेकी के नाम पर बदी करते आए हैं। जुल्फिकार अली भुट्टो का नाम तो आपको याद होगा। उन्होंने कहा था- हम भारत से हजार साल तक लड़ेंगे। उनके दोस्त से जानलेवा दुश्मन बने जनरल जियाउल हक हमें हजार घाव देना चाहते थे, ताकि लहू (जान-माल) रिसता रहे और देश कमजोर होता रहे। आज पाकिस्तान के साथ यही हो रहा है। वह जो महंगे मिसाइल और ड्रोन हम पर दागता है, उनको आसमान में ही ठंडा कर दिया जाता है। यह उस देश का

आत्मघात नहीं तो और क्या है, जहां एक बोरी आटे के लिए लोग एक-दूसरे की जान लेने पर आमादा हो जाते हैं! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देख-रेख में भारतीय सेनाओं ने सोची-समझी रणनीति और तालमेल के साथ पाक के तमाम शहरों पर सफल हमले किए हैं। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ इस कार्रवाई के जरिये भारत सरकार ने न केवल पाकिस्तान, बल्कि समूची दुनिया को स्पष्ट संदेश दे दिया कि हमें संयम बरतना आता है, लेकिन अपने ऊपर हुआ हमला हमें बर्दाश्त नहीं। यकीनन, आने वाले वक्त में सैन्य विज्ञान के विद्यार्थी सगर्व पढ़ेंगे कि भारत ने किस तरह उरी, बालाकोट और मई 2025 के प्रतिकार के जरिये परत-दर-परत एक नई सुरक्षा नीति की सर्जना कर दी है। पाकिस्तान अगर इस मुकाम पर नहीं सुधरा, तो उसका अंजाम और भी बुरा हो सकता है। भारत ने यह भी साबित कर दिया कि हम पाकिस्तानी नेताओं और रावलपिंडी के जनरल साहबान की उन भभकियों से नहीं डरने वाले कि हम परमाणु हमला कर देंगे। पिछले तीन दशकों से यह धमकी सुनते-सुनते हिन्दुस्तान सहित समूची दुनिया आजिज आ चुकी है। यही वह बिंदु है, जहां मुझे लगता है कि पूरी विश्व बिरादरी को अपने किंतु-परंतु को त्यागकर सोचना होगा कि इतने गैर-जिम्मेदार देश को परमाणु हथियार रखने की इजाजत देनी चाहिए या नहीं याद करें, पाकिस्तान ने अपना परमाणु बम लीबिया और कुछ अन्य अरब देशों की इमदाद से बनाया था। भुट्टो और उनके साथी कहते थे कि 'इस्लामी' दुनिया को 'अपना बम' चाहिए। मैं आतंकवाद को हथियार और जनता को धार्मिक चश्मे की रंगत से नहीं देखना चाहता, लेकिन सच को भी तो नहीं झुठलाया जा सकता। इजरायल ने इसीलिए तो 1970 की दहाई के अंत और 1980 की शुरुआत में पाकिस्तान के कहूटा स्थित परमाणु संयंत्र को नष्ट करने की योजना बनाई थी। तेल अवीव आज भी अपने इस 'स्टैंड' पर कायम है। 11 अक्तूबर, 2023 को इजरायली प्रधानमंत्री ने एक इंटरव्यू में साफ तौर पर कहाथा- हमारा सबसे बड़ा मिशन है, कट्टर इस्लामी शासन को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना या परमाणु हथियारों को किसी इस्लामी जेहादी निजाम के हाथ लगने देने से रोकना। इनमें पहला ईरान है और दूसरा पाकिस्तान। ज्यादा सटीक रूप से कहूं, तो तालिबान के कब्जे वाला पाकिस्तान! पाकिस्तानी सत्ता-प्रतिष्ठान में फिलवक्त यह खौफ तारी है कि हमास पर निर्णायक बढ़त और सीरिया में सत्ता-परिवर्तन कराने के बाद इस साल ईरान को अपने काबू में करना 'यहूदी-ईसाई गठबंधन' के लिए आसान हो जाएगा। उसके तत्काल बाद पाकिस्तान के परमाणु केंद्र उसके निशाने पर होंगे। पेंटागन के रणनीतिकार भी मानते हैं कि जिस तरह पाकिस्तान में तालिबानी ताकतें पनप रही हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 11 जून 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

भावना योग मात्र एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि सम्पूर्ण जीवन के रूपांतरण का विज्ञान है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। भावना योग मात्र एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन के रूपांतरण का विज्ञान है। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने विद्याप्रमाण गुरुकुलम् में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में व्यक्त किये।

प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया 11मई बुद्धवार को भावनायोग प्रात: 5:15 से होगा तथा मूलनायक भगवान श्री पारसनाथ की प्रतिमा पर 55 मिनट की वृहद शांतीधारा मुनि श्री के मुखारविंद से संपन्न होगी इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि भावना योग वह प्रक्रिया है जो आत्मा को परमात्मा की दिशा में ले जाती है, मुनि श्री ने कहा कि हमारे सबसे बड़े शत्रु हमारे अंदर के दोष एवं दुर्बलता है उन्होंने उन दुर्गुण और विकारों के शमन का उपाय बताते हुये कहा कि सबसे पहले हमें अपने भीतर छिपे हुये शत्रुओं को पहचानना हैं, तथा उनसे बचने का संकल्प लेना ही प्रत्याख्यान की शुरुआत है, यह एक आत्म प्रेरित संकल्प है जैसे युद्ध में योद्धा विजय होंने के संकल्प के साथ रणभूमी में जाता है और विजय प्राप्त कर लौटता है उसी प्रकार प्रत्यख्यान अपने अंदर के हिंसा झूंठ चोरी कुशील और परिग्रह पांच पाप रुपी शत्रुओं से विजय प्राप्त कर, आत्मबल की दिशा में आगे बढ़ता है यही जागृति का अभियान है, मुक्ति का शंखनाद है। उन्होंने कहा कि बार-बार दोहराए गए संकल्प हमारे चित्त में नई मानसिक रेखाएँ बनाते हैं जो जीवन की दिशा बदल देते हैं। जैसे ङ्क 'मुझे सहज रहना है', 'मुझे संयम रखना है', 'मुझे सकारात्मक रहना है'। यही भावना योग की आधारशिला है। मुनि श्री ने कहा कि हमारी साधना पद्धतियाँ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, वे अनादिकाल से आत्मशुद्धि के सिद्ध मार्ग हैं। आज का विज्ञान भी इन प्राचीन शब्दों प्रार्थना, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान, सामायिक को स्वीकार कर रहा है, तो हमें भी चाहिए कि हम केवल विज्ञान की मुहर के मोहताज न बने रहें। हमें वीतराग विज्ञान की ओर बढ़ना चाहिए। मुनि श्री ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को आशीर्वाद देते हुये कहा कि

भावना योग को केवल सत्र तक सीमित न रखें, इसे स्वंम में आत्मसात करें, अभ्यास करें और फिर जनजन तक पहुँचाएँ। यही आत्मसाधना की सच्ची सेवा है। उपरोक्त जानकारी देते हुये प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया सत्र में उपस्थित डॉ. सुभाष जखारिया व डॉ. शिखा वैशाखिया ने भावना योग के वैज्ञानिक पक्ष को स्पष्ट किया उन्होंने कहा कि भावना योग मन, मस्तिष्क और चेतना के स्तर पर सकारात्मक न्यूरल पाथवे तैयार करता है। यह आत्मिक चिकित्सा की एक गहन पद्धति है, जो केवल भावनात्मक नहीं बल्कि न्यूरो-साइकोलॉजिकल आधार पर भी सशक्त है।शिविर में प्रतिदिन प्रात: ध्यान, दोपहर में संवाद संध्या काल में ध्यानानुभव को भी सदस्यों ने साझा किया।

-अविनाश जैन

राष्ट्रीय स्तर पर 1 व 2 जुलाई को गिरनार जी में नेमिनाथ मोक्ष कल्याणक निर्वाण लड्डू महोत्सव एवं 58वॉ गिरनार गौरव आचार्य निर्मल सागर दीक्षा महोत्सव मनाया जाएगा

गिरनारजी (विश्व परिवार)। विश्व शांति निर्मल ध्यान केंद्र ट्रस्ट के तत्वावधान में जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ जी का मोक्ष कल्याणक 2 जुलाई 2025 को परम पूज्य मुनि श्री धरसेन सागर जी महाराज, मुनि श्री अजितसेन महाराज व निर्मल ध्यान ज्ञान केन्द्र गिरनार के पीठाधीष 105 क्षुल्लक जी श्रीसमर्पण सागर जी महाराज के पावन निर्देशन में, अधिष्ठात्री ब्र . शान्ताबेन, अधिष्ठाता ब्र सुमति भैय्या जी के सानिध्य व निर्देशन में, समोशरण मंदिर, विश्व शांति निर्मल ध्यान केंद्र गिरनार जी में नेमिनाथ निर्वाण महोत्सव समिति के संयोजन में मनाया जाएगा।

पीठाधीश क्षुल्लक श्री समर्पण सागर जी महाराज साहब के मार्गदर्शन में ट्रस्टी एवं महोत्सव समिति के अध्यक्ष पारस जैन बज, अभिनन्दन अधिष्ठाता ब्र. सुमति भैया जी के अनुसार 1 जुलाई को प्रात: 7:30 बजे ध्वजारोहण के साथ महोत्सव प्रारंभ होगा, तत्पश्चात विशाल रथ यात्रा समवशरण मंदिर जी से निर्मल ध्यान केंद्र तलहटी तक जाएगी। जहां 22 फुट उत्त ?ग भगवान नेमिनाथ जी की मनमोहक प्रतिमा जी का महामस्तकाभिषेक होगा, दोपहर को 2:30 बजे परम पूज्य गिरनार गौरव समाधिस्थ श्री निर्मल सागर जी महाराज का 58 वॉ दीक्षा महोत्सव के अवसर पर पूजन, मंगल प्रवचन, आरती आदि कार्यक्रम होंगे रात्रि 8.30 बजे आचार्य भक्ति व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

2 जुलाई को प्रात: गिरनार यात्रा व समवशरण मंदिर में दोपहर को धर्मसभा का आयोजन जिसमें मोक्ष कल्याण पर विशेष प्रस्तुति, सम्मान समारोह, निर्वाण कांड पढ़कर सिद्ध लाडू, अरिहंत लाडू, आचार्य लाडू, उपाध्याय लाडू, सर्वसाधु लाडू, नेमीप्रभु लाडू समर्पित किए जाएंगे तत्पश्चात महोत्सव समिति के परम संरक्षक एवं निर्मल ज्ञान ध्यान केन्द्र के अध्यक्ष सोभागमल जी कटारिया, अध्यक्ष पारस जैन बज, ऋषभ जैन, रतन पाटनी आदि पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का सम्मान सत्कार किया जायेगा।

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत कराया कि उक्त राष्ट्रीय महोत्सव में देश के विभिन्न प्रांतो से विद्वान, श्रेष्ठि व युवा पहुंच रहे हैं, इस अवसर पर विश्व जैन संगठन के नेतृत्व में दिल्ली से निकली विशाल धर्म पदयात्रा भी गिरनार पहुंच रही है, सभी मिलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांति के साथ भगवान नेमीनाथ जी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनायेंगे। निर्वाण महोत्सव के अवसर पर पहाड़ पर पहली टोंक पर मंदिर जी एवं तलहटी पर निर्मल ध्यान केन्द्र स्थित भगवान नेमीनाथ की उत्तंग प्रतिमा तथा तलहटी प्रांगण में स्थित बंडी धर्मशाला मंदिर जी में मूलनायक भगवान नेमिनाथ जी के सामने निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवार को मिला पक्का आवास

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत जशपुर जिले के दूरस्थ अंचल में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को अब पक्के मकान का लाभ मिल रहा है। विकासखंड बगीचा के ग्राम पंचायत पंड़ापाठ की निवासी श्रीमती फूलोबाई को इस योजना के तहत पक्का आवास स्वीकृत हुआ, जो अब बनकर तैयार हो चुका है। वर्षों तक कच्चे घर में कठिन जीवन जीने वाली फूलोबाई के लिए यह घर केवल एक आवास नहीं, बल्कि उनके सपनों का महल बन चुका है। फूलोबाई ने बताया कि बरसात में छत टपकती थी और हमेशा जहरीले जीवों का डर सताता था। लेकिन जब से यह पक्का आवास बना है तब से मैं चौन से सो पाती हूँ। मेरे जीवन में यह पहली बार है कि खुद का मजबूत और सुरक्षित घर है। फूलोबाई ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह घर उनके लिए सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की पहचान बन चुका है। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत ऐसे कई परिवारों को पक्के मकान का लाभ मिल रहा है, जो उनके जीवन को बेहतर और सुरक्षित बना रहा है। यह योजना आदिवासी और पिछड़े समुदायों के जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

छत्तीसगढ़ में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्यव्यापी अभियान प्रारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत संचालित 'उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के सफल क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य भर में व्यापक अभियान की शुरुआत कर दी है। इसका उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षर नागरिकों को बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक ज्ञान और जीवनोपयोगी कौशल से सशक्त बनाना है, ताकि वे सितंबर 2025 और मार्च 2026 में आयोजित होने वाली FLNAT परीक्षा में सम्मिलित हो सकें। राज्य से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार जिला, ब्लॉक और नगरीय साक्षरता मिशन प्राधिकरणों (DLMA, BLMA, TLMA) की बैठकें 20 जून तक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएगी। इनमें वार्षिक कार्ययोजना पर गहन चर्चा की जाएगी। स्कूल शिक्षा सचिव ने बताया कि चिन्हांकित स्कूलों की स्मार्ट क्लासों में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध ऑनलाइन वीडियो सामग्री के माध्यम से शिक्षण कार्य शुरू किया जाएगा।

जिनवाणी श्रवण करने से जीवन का निर्माण होता है : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

महुआ (विश्व परिवार)। महुआ नगर में 27 वर्षों के बाद संघ का प्रवेश हुआ है 27 वर्ष पूर्व बिजोलिया में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा संघ सानिध्य में हुई थी अभी पुन: कुछ दिनों पूर्व बिजोलिया में पंचकल्याणक संपन्न कर संघ का महुआ में आगमन हुआ है। 27 वर्ष पूर्व संघ सानिध्य में सिद्धचक्र मंडल विधान हुआ था तथा लगभग एक माह का प्रवास भी तब हुआ था। 27 वर्ष पूर्व समाज में संस्कारों का बीजारोपण पाठशाला के रूप में हुआ था अनेक नगरों में पाठशाला चलती है, बंद हो जाती है किंतु यह प्रशंसा की बात है कि महुआ में पाठशाला निरंतर चल रही है, यद्यपि पाठशाला में छोटे बच्चे ज्ञान प्राप्त करते हैं किंतु यहां पर लगातार कई वर्षों से पाठशाला संचालक न केवल बच्चों को वरन् बड़ों को भी स्वाध्याय कराते हैं। पाठशाला से ज्ञान प्राप्त होता है जिनवाणी तीर्थंकर द्वारा प्रतिपादित धर्म और देशना है।यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने महुआ नगर प्रवेश पर आयोजित धर्म सभा में व्यक्त की। राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि पाठशाला में प्राप्त ज्ञान और संस्कार से जीवन का निर्माण होता है यहां पर बच्चों महिलाओं द्वारा प्रवेश के समय भक्ति की गई है जो उत्साह और भक्ति आपने दिखाई है यह सब नगर के मूल नायक श्री

आदिनाथ भगवान और चंद्र प्रभु भगवान का अतिशय हैं। जीवन में जन्म और मृत्यु से परिवर्तन होता है। तीर्थंकर जैन कुल में जन्म लेकर भगवान के दर्शन आराधना करके पाप का प्रक्षालन कर पुण्य की प्राप्ति कर सकते हैं। जिनवाणी के श्रवण से जीवन का निर्माण होता है। जिनवाणी सभी के लिए हितकारी है पारसोला चातुर्मास के बाद से अनेक नगरों ने संघ से वर्ष 2025 चातुर्मास हेतु निवेदन किया है किंतु संघ ने अभी तक चातुर्मास स्थल का कोई निर्णय नहीं किया है, पर जल्द ही चातुर्मास स्थल का निर्णय लेंगे। नगर छोटा हो या बड़ा हो किंतु भावना छोटी नहीं होती है आप लोग धार्मिक संस्कारों से देव शास्त्र गुरु की भक्ति करते हैं चलते-फिरते तीर्थ आचार्य साधु परमेष्ठि के दर्शन करते हैं संत गुरु सानिध्य से जीवन में धर्म और संस्कार प्राप्त होते हैं। इसके पूर्व आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का 36 साधुओं सहित महुआ नगर में प्रवेश हुआ नगर की संपूर्ण समाज ने भक्ति उत्साह के साथ संघ की मंगल अगवानी की।

जीवन में संस्कारों की प्रधानता श्रेयस्कर- मुनि श्री

मुनि सौम्यसागर महाराज ससंघ का जैन अटा मंदिर में हुआ मंगल प्रवेश

ललितपुर (विश्व परिवार)। समाधिस्थ गणाचार्य विरागसागर महाराज के पटटाचार्य विशुद्धसागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि सौम्यसागर महाराज एवं मुनि जयेन्द्र सागर महाराज का नगर में प्रभावना पूर्वक प्रवेश हुआ। जैन अटा मंदिर में मुनिश्री ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए जीवन में संस्कारों की प्रधानता को शेयसकर बताते हुए कहा आत्मशान्ति के लिए धर्म जरूरी है उन्होने कहा अधिक से अधिक समय धर्म के साथ श्रावकों को विताना चाहिए। धर्म के बगैर कल्याण नहीं है।

आज प्रात:काल दिगम्बर जैन पंचायत ने नगर के एम्बोशिया जैन मंदिर में विराजमान मुनि श्री सौम्य सागर महाराज एवं मुनि जयेन्द्र सागर महाराज को श्री फल भेंट किया इसके उपरान्त श्रावक-श्राविकाओं ने गाजे बाजे के साथ मुनि श्री की जयजयकारों के साथ अगुवाई की। मार्ग में श्रावकों ने रंगोली सजाई और मुनि श्री का पादालन कर आरती उतारी। मुनिश्री कैलगुवा तिराहा से आजाद चौक होते हुए सावरकर चौक पहुंचे जहां पार्श्वनाथ जैन अटामंदिर में मुनि श्री का मंगल प्रवेश कराया। इस मौके पर जैन पंचायत अध्यक्ष डॉ अक्षय टडिया संयोजक सनत खजुरिया कैप्टन राजकुमार जैन मनोज जैन बबीना अजय जैन गगचारी, प्रफुल्ल जैन, संजीव जैन लकी ने मुनि श्री से ललितपुर में प्रवास हेतु आग्रह किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य श्री के चित्र के सममुख दीपप्रज्जवलित कर श्रावक श्रेष्ठयों ने किया। मुनि श्री के सानिध्य में पाठशाला स्थापना के 20 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले सिद्धचक विधान की जानकारी विधानाचार्य ब्रह्मचारी मनोज भैया ने दी। विधान के प्रमुख चयनित पात्रो ने मुनि श्री की श्रीफल अर्पित कर आशीवाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्रीआकाश जैन ने किया।

इस अवसर पर शीलचंद अनोरा, अखिलेश गदयाना, मीडिया प्रभारी अक्षय अलया, धार्मिक संयोजक प्रतीक इमलिया, अमित जैन सराफ शिक्षक पुष्पेन्द्र जैन धन्यकुमार जैन, वीणा जैन, संजीव जैन ममता स्पोर्ट, अनंत सराफ, राजीव जैन खजरा आदि उपस्थित रहे।

ग्राम जुनवानी से चिखलीटोला तक बनेगी पक्की सड़क

अब सफर होगा आसान, मुख्यमंत्री की पहल से खुश हैं ग्रामीण

रायपुर (विश्व परिवार)। बालोद जिले के डौण्डी वनांचल क्षेत्र के ग्राम जुनवानी से चिखलीटोला तक की कच्ची और पथरीली सड़क अब पक्की बनेगी। इस क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए यह सड़क पहले एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि कच्चे रास्तों के कारण उन्हें 3 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए 30 किलोमीटर का लंबा सफर करना पड़ता था। यह रास्ता पहाड़ी इलाकों से गुजरता था और इसके कारण ग्रामीणों को समय, मेहनत और संसाधनों की भारी बर्बादी होती थी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के दौरान इस सड़क निर्माण के लिए 11 करोड़ 47 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। इससे न केवल पक्की सड़क निर्माण होगा, बल्कि इस क्षेत्र में विकास की नई शुरुआत भी होगी। पूर्व जनपद पंचायत सदस्य श्री संजय बैस ने कहा कि इस सड़क के बन जाने से क्षेत्र का विकास तेज़ी आएगी। यह विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण श्री हरिश्चंद्र नायक ने भी बताया कि श्रमदान से बनाए गए इस रास्ते को अब पक्का किए जाने की मांग पूरी होने जा रही है। अब तीन किलोमीटर की दूरी को तय करने में जो समय और पैसा खर्च होता था, वह दोनों बचेंगे। इस पक्की सड़क से ग्रामीणों को बाजार तक आसानी से पहुंच मिलेगी, किसान अपने खेतों तक सरलता से जा सकेंगे, और इस क्षेत्र के लोगों की जीवनशैली में एक बड़ा बदलाव आएगा। यह सड़क केवल दो गांवों को जोड़ने का काम नहीं करेगी, बल्कि यह क्षेत्र के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार जैसी सुविधाओं तक पहुंच बढ़ेगी और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का दिल से आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने उनकी मेहनत और संघर्ष को सम्मानित किया और उनके सपनों को साकार किया। इस पक्की सड़क के निर्माण की स्वीकृति मिलने से क्षेत्र में एक नई उम्मीद और विश्वास का संचार हुआ है।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल एमसीएच अलबेलापारा व शासकीय कोमलदेव अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

मरीजों से बातचीत कर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज कांकेर प्रवास के दौरान एमसीएच अस्पताल अलबेलापारा एवं शासकीय कोमलदेव अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं का विस्तृत जायजा लिया तथा संचालकों व स्टाफ को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान एमसीएच अस्पताल, अलबेलापारा फार्मेसी में दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा की और जेनेरिक दवाइयों के उपयोग एवं वितरण के निर्देश दिए। इसके पश्चात 'नेक्स्ट जेन' सॉफ्टवेयर के माध्यम से रोगियों का पंजीकरण व मेडिकल रिकॉर्ड देखने का वर्कफ्लो परीक्षण किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्रों (पहला बैच, कांकेर) से संवाद कर उनसे स्नातक उपरांत ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में सेवाएँ देने का आग्रह किया। फाइनल ईयर छात्र राहुल शर्मा ने गर्ल्स व बॉयज हॉस्टल में अलग-अलग पानी के बोर की मांग की, जिस पर मंत्री ने तत्काल नलकूप खनन के निर्देश कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर को दिए। नवजात शिशु कक्ष का निरीक्षण कर उसे और सुसज्जित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बाल चिकित्सा कक्ष में ईश्वर लाल मरकाम (13 वर्ष, विश्रामपुरी; मधुमेह से ग्रस्त) का स्वास्थ्य-इतिहास रेखांकित कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को बेहतर उपचार के लिए प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही थैलेसीमिया पीड़ित हिमांशु मरकाम (घोटवाही) के लिए नियमित रक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश प्रबंधन को दिए। राज्जो बाई कवाची (चिचकी, बड़गांव) से मुलाकात कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने एमआरआई कक्ष, कंसोल रूम व डायलिसिस रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने डायलिसिस कक्ष को आवश्यक उपकरण जैसे एयर कंडीशनर लगाने तथा विस्तार करने के आदेश दिए। अस्पताल परिसर में जहां पंखों की कमी थी, एक सप्ताह के भीतर स्थापित करने के निर्देश जारी किए।

शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले आश्रम-छात्रावासों की कराएं साफ-सफाई और रंग-रोगन : रामविचार नेताम

आदिम जाति विकास मंत्री ने की विभागीय कामकाज की समीक्षा, कहा- आश्रम-छात्रावास के अधीक्षकों की पदस्थापना काउंसिलिंग के माध्यम से करें

रायपुर (विश्व परिवार)। आदिम जाति मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा है कि आश्रम-छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने के लिए नये शिक्षण सत्र के प्रारंभ होने से पहले राज्य के सभी आश्रम-छात्रावासों की मरम्मत, साफ-सफाई, पेयजल, रंग-रोगन आदि की व्यवस्था कर ली जाए। उन्होंने नवा रायपुर में विभागीय काम-काज की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को आश्रम-छात्रावासों के नियमित निरीक्षण और रख-रखाव कराने के निर्देश दिए।

आदिम जाति विकास मंत्री श्री नेताम ने कहा है कि आदिम जाति कल्याण विभाग में आश्रम-छात्रावासों के अधीक्षक के पद पर पदोन्नत होने वाले अधीक्षकों की पदस्थापना के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया अपनाई जाए। यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से एक दिन आश्रम-छात्रावास में समय बिताने और विद्यार्थियों के साथ भोजन करने को भी कहा। श्री नेताम ने बैठक में कहा कि आगामी दो वर्षों में सभी आश्रम छात्रावासों के लिए भवन निर्माण किया जाना है, इसलिए भवनविहिन आश्रम-छात्रावासों का चिन्हांकन कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि जिन आश्रम-छात्रावासों में सीटों की संख्या बढ़ाई

गई है वहां रहने वाले छात्रों के लिए अतिरिक्त भवन अथवा कमरों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। श्री नेताम ने राज्य में प्रयास विद्यालयों की व्यवस्था और रख-रखाव के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में छात्रों को अखिल भारतीय इंजीनियरिंग और मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग संस्थान के चयन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कराने कहा।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि आगामी 15 जून से प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष कैंप लगाए जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर पर 15 जून से शुरू होगी। राज्य में 16 और 17 जून को दो दिवसीय राज्य स्तरीय अभियान चलाया जाएगा, वहीं जिला स्तर पर 17 से 20 जून और विकासखण्ड स्तर पर 20 से 30 जून तक चलेगा। इस अभियान के तहत पीएम जनमन योजना से छुटे हुए जनजातीय परिवारों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वनाधिकार पत्र जैसे दस्तावेज बनाए जाएंगे। शासकीय योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मंत्री श्री नेताम ने सिकलसेल और टीव्ही मुक्त भारत अभियान के प्रति भी बच्चों को जागरूक करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि निर्धारित मीनू के आधार पर आश्रम और छात्रावास के बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जाए। आश्रम-छात्रावासों की दीवारों पर महापुरूषों के संदेशों का लेखन किया जाए। साथ ही बच्चों में शैक्षणिक क्षमता को बढ़ाने के लिए भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिता कराई जाए। उन्होंने आश्रम-छात्रावासों की विशिष्ट पहचान बनाने पर जोर दिया। मंत्री श्री नेताम ने विभाग में सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी जानकारी ली। उन्होंने निराकरण के लिए शेष बचे आवेदनों को गंभीरता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए 75 बहुउद्देशीय भवन- बैठक में जानकारी दी गई कि विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के समग्र विकास के लिए राज्य में 75 बहुउद्देशीय भवन का निर्माण किया जा रहा है। 31 भवनों का निर्माण लगभग पूर्णत: की ओर है। इन भवनों में सांस्कृतिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य और सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जा सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को इन भवनों के तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

बैठक में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, उप सचिव श्री बी.एस. राजपूत, अपर संचालक श्री संजय गौड़, श्री जितेन्द्र गुप्ता, कार्यपालन अभियंता श्री त्रिदीप चक्रवर्ती सहित जिलों के परियोजना प्रशासक और सहायक आयुक्त उपस्थित थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर बुधवार 11 जून 2025

हिन्दू धर्म में क्यों की जाती है वृक्ष की पूजा

एकेश्वरवादी धर्म के लोगों को लिए यह बात बड़ी अजीब लगती है कि हिन्दू धर्म के लोग वृक्ष की पूजा क्यों करते हैं जबकि वह कोई ईश्वर या भगवान नहीं है? दरअसल, हिन्दुइज्म यह मानता है कि इस ब्रह्मांड में सभी कुछ परमात्मा का ही अंश है और सभी एक दूसरे से आंतरिक रूप से जुड़े हुए हैं।

पीपल और बरगद

वृक्ष की पूजा या प्रकृति की पूजा करने के पीछे साइंटिफिक रीजन भी है। जैसे कि हिन्दू धर्म में बरगद और पीपल के पेड़ की पूजा का प्रचलन है। हम सभी जानते हैं कि यह वृक्ष 24 घंटे ऑक्सीजन देते हैं। अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल और बरगद के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण ही इन्हें 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। यानी की हमारे ऋषि मुनि कहीं न कहीं इस वृक्ष के महत्व को समझते थे। अक्सर आपने देखा होगा की पीपल और वट वृक्ष की परिक्रमा का विधान है। इनकी पूजा के भी कई कारण है। स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है।

तुलसी और आंवला

इसी तरह यदि हम औषधीय पौधों की बात करें तो तुलसी और आंवला की भी पूजा होती है। कोविड 19 के समय जब विटमिन सी को अच्छे से लेने की सलाह दी गई तब हम सब ने आमला का सेवन और शुरु कर दिया था। इसी तरह जब इम्यूनिटी को बूस्ट करने की बात की गई तो सभी ने तुलसी का रस पीना प्रारंभ कर दिया था। यह दोनों ही तरह के पौधे अत्यंत ही औषधीय गुणों से संपन्न है। यह कई तरह के रोगों को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। आयुर्वेद में आमला को सूपरफूड कहा गया है और तुलसी को अमृत माना है।

इस तरह से की जानी चाहिए लड्डू गोपाल की सेवा वरना मिलते हैं बुरे परिणाम

लगभग सभी घरों में लड्डू गोपाल की सेवा की जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि लड्डू गोपाल की सेवा करने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। इसलिए घर में लड्डू गोपाल की मूर्ति रखनी चाहिए, साथ ही उनकी सेवा एक बच्चे की तरह करनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर आपने भी अपने घर में लड्डू गोपाल को विराजित किया है, तो आपको कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। पूजा घर में जहां आपने लड्डू गोपाल को बैठाया हुआ है, वहां कुछ चीजें नहीं रखना चाहिए। आइए, जानते हैं कि वे चीजें कौन-सी हैं।

खंडित मूर्तियां न रखें

वास्तु के अनुसार, घर में टूटी हुई मूर्तियां रखना अशुभ माना जाता है। जिस स्थान पर लड्डू गोपाल विराजित हैं, उस स्थान पर खंडित मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसी मूर्तियों के घर में होने से नकारात्मक ऊर्जा आती है। ऐसा करने से लड्डू गोपाल की सेना की कृपा भी आपको नहीं मिलती है।

गंदे कपड़े न रखें

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि जिस कमरे के पूजा घर में लड्डू गोपाल विराजित हैं, उस कमरे में गंदे वस्त्र नहीं होने चाहिए। ऐसा करने नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है। घर में दुर्भाग्य प्रवेश करता है।

इतनी देर तक रखें भोग

अगर आप घर पर भी लड्डू गोपाल को भोग लगाते हैं, तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि 10 मिनट के अंदर ही भोग को वहां से हटा लें। ऐसा माना जाता है कि भोग लगाने के बाद वह झूठा हो जाता है। ऐसे में जूठी थाली लंबे समय तक वहां न रखें।

सजावटी वस्तुएं

घर के जिस कमरे में लड्डू गोपाल विराजित हैं, उसमें कभी भी सजावटी वस्तुएं न रखनी चाहिए। लड्डू गोपाल के कमरे को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए।

न रखें कोई पत्थर या रत्न

कई लोग अपने घर में कोई न कोई चमत्कारी पत्थर या राशि रत्न आदि रखते हैं। लेकिन इन चीजों को लड्डू गोपाल के आसपास रखने से बचना चाहिए। जिस कमरे में लड्डू गोपाल स्वयं बैठते हैं, उस कमरे का वातावरण सुखद और सकारात्मकता हो जाता है।

घर के मंदिर में नहीं रखनी चाहिए शनिदेव की मूर्ति

हर घर के मंदिर में अलग-अलग देवी-देवताओं की मूर्तियां रखी होती हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि घर के मंदिर में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखनी चाहिए। इन मूर्तियों के रखे होने से नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं कि घर के मंदिर में किन देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखना चाहिए।

शनिदेव की मूर्ति

हिंदू धर्म में शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। शनिदेव की पूजा की जाती है, लेकिन घर के मंदिर में उनकी तस्वीर या मूर्ति रखना वर्जित होता है। उन्हें एक उग्र देव माना जाता है। इसलिए शनिदेव की पूजा घर की बजाय किसी मंदिर में जाकर करना शुभ मना होता है।

मां काली की मूर्ति

शनिदेव की तरह ही घर के मंदिर में मां काली की मूर्ति और तस्वीर रखना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इन्हें भी उग्र देवताओं में शामिल किया जाता है। इनकी पूजा घर में नहीं करनी चाहिए। मां काली की पूजा के नियम भी बहुत कठिन हैं और घर पर ऐसा करना उचित नहीं माना जाता है।

नटराज की मूर्ति

कई लोगों के घर में नटराज की मूर्ति रखी होती है, लेकिन नटराज असल में भगवान शिव का रौद्र रूप माने जाते हैं। ऐसे में घर के मंदिर में नटराज की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में कलह बनी रहती है।

भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति

देवी-देवताओं की मूर्तियां भी विभिन्न मुद्राओं में पाई जाती हैं। लेकिन ध्यान रखें कि घर में हमेशा भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की बैठी हुई मूर्ति ही लानी चाहिए। मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां खड़ी या किसी अन्य स्थिति में रखना शुभ नहीं माना जाता है।

शिव की शक्ति का प्रतीक माना जाता है त्रिशूल

भगवान शिव की पूजा करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इतना ही नहीं, विशेष लाभ भी प्राप्त होते हैं। विधि-विधान और सच्चे मन से शिव जी पूजा की जाए, तो समस्याओं से मुक्ति मिलती है। कई बार मन में सवाल आता है कि भगवान शिव के साथ त्रिशूल क्यों रखा जाता है और त्रिशूल की उत्पत्ति कैसे हुई थी, आज हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे हुई थी त्रिशूल की उत्पत्ति

कहा जाता है कि त्रिशूल भगवान शिव की शक्ति का प्रतीक होता है। बुरी शक्तियों के विनाशक के रूप में त्रिशूल हमेशा शिव जी से जुड़ा रहता है। समुद्र मंथन के दौरान शिव जी को भगवान विष्णु से त्रिशूल उपहार के रूप में मिला था। वहीं, कुछ पौराणिक कथा में यह भी कहा गया है कि शिव जी को देवी दुर्गा से त्रिशूल प्राप्त हुआ था। उन्होंने इसका इस्तेमाल राक्षस महिषासुर के खिलाफ लड़ाई में किया था। शिव पुराण में कहा गया है कि संपूर्ण ब्रह्मांड की शुरुआत में भगवान शिव ब्रह्मनाद से प्रकट हुए थे। उनके साथ तीन गुण भी प्रकट हुए, रज, तम और सत गुण, इन तीन गुणों से मिलकर शिव शूल का निर्माण हुआ, जिससे त्रिशूल बना।

प्रचलित कथाओं के अनुसार, एक बार मंगल ग्रह ने भगवान शिव की घोर तपस्या की, जिससे भोलेनाथ अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने भगवान शिव से हमेशा उनके साथ रहने का वरदान मांगा, उन्होंने ग्रहों के चक्र से दूर रहने के लिए कहा। भगवान शिव ने कहा कि वे ग्रहों के चक्र से दूर हैं, ऐसे में किसी भी ग्रह को अपने साथ नहीं रख सकते। मना करने के बाद, मंगल ने शिव जी के पास रहने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि वे अपने किसी प्रतीक के साथ मेरे किसी प्रतीक को जोड़ लें। भगवान शंकर औघड़दानी कहे जाते हैं, इसीलिए उन्होंने अपने त्रिशूल पर हमेशा के लिए लाल रंग का कपड़ा बांध लिया था। तभी से यह सनातन धर्म की एक महत्वपूर्ण प्रथा बन गई, जिसका पालन आज भी किया जाता है।

इन सजावटी वस्तुओं या कलाकृतियों को घर में रखने से होगा नुकसान

आजकल घर में भारतीय संस्कृति के अनुसार परंपरागत सजावट नहीं की जाती है। पाश्चात्य संस्कृति के चलते कई तरह की नकली सजावट का भी प्रचलन बढ़ गया है। ऐसे में जानिए कि वास्तुशास्त्र के अनुसार कौन सी सजावटी वस्तुएं या कलाकृतियां नुकसान पहुंचा सकती है।

चित्र

घर में ताजमहल, जंगली वह हिंसक जानवर, रोते हुए बच्चे, नंगे बच्चे, युद्ध के दृश्य, कटे पेड़ या ठूंठ आदि के चित्र न लगाएं। इसके अलावा अभिनेता या अभिनेत्रियों के चित्र, बाइक, कार, मॉडल या अपने गुरु का बड़ा-सा चित्र भी न लगाएं।

पुरानी टूटी वस्तुएं

कई लोग पुरानी या फालतू चीजों से भी अपना घर सजाते हैं, जो कि गलत है। ऐसी वस्तुएं घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। वास्तु के अनुसार जब घर में नकारात्मक ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

नकारात्मक पेंटिंग

बहुत से घरों में देखा गया है कि जहां ऐसी पेंटिंग लगी होती है जिसमें क्या है यह कोई नहीं जानता या उसमें खंडहर, सूखे ठूंठ, मानवरहित उजाड़ शहर, बिखरा हुआ घर या सूखा बंजर पहाड़ नजर आता है। ऐसी पेंटिंग नकारात्मकता फैलाती है।

कलाकृतियां

आजकल कलाकृतियों के नाम पर कुछ ऐसी वस्तुएं घर में होती है जिसमें सूखे ठूंठ, प्लास्टिक के नकली पेड़ या कोई ऐसी कलाकृति जिसे अश्लीलता झलकी हो। यह सभी मृतप्राय: सजावटी कलाकृतियां जो मानी तो जाती हैं कलात्मक लेकिन वास्तु शास्त्र अनुसार ये सभी नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती हैं।

कांटेदार पौधे

कुछ लोग घर को कलात्मक लुक देने के लिए नकली या कांटेदार पौधे लगा लेते हैं अत: घर में कांटेदार पेड़-पौधे न लगाएं, इससे पारिवारिक संबंधों में भी कांटों-की-सी चुभन पैदा होने लगती है।

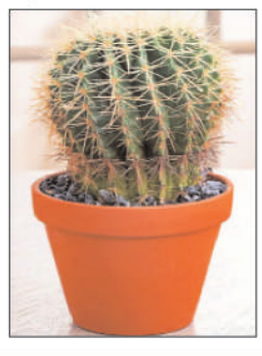

व्यापार समाचार

इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराया

ब्रिस्टल। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बाच काउंटी ग्राउंड, ब्रिस्टल पर खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड ने 4 विकेट से जीत दर्ज की. इस शानदार जीत के साथ ही इंग्लैंड ने 2-0 की अजेय बढ़त बनाकर 3 मैचों की सीरीज पर अपना कब्जा जमा लिया. हैरी ब्रूक की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम ने वेस्टइंडीज द्वारा दिए गए 197 रन के विशाल लक्ष्य को 18.3 ओवर में 199 रन बनाकर हासिल कर लिया और मेहमानों पर एक रोमांचक जीत दर्ज की. इस मुकाबले में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और मैच की पहली ही गेंद में इंग्लैंड के घातक तेज गेंदबाज ल्यूक वुड ने सलामी बल्लेबाज एविन लुईस को गोल्डन डक कर दिया. इसके बाद जॉनसन चार्ल्स (47) और कप्तान शाई होप (49) ने टीम की पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 90 रनों की साझेदारी कर वापसी कराई. फिर आखिरी ओवरों में रॉवमैन पॉवेल (15 गेंदों में 34 रन) और जेसन होल्डर (9 गेंद में 29* रन) ने धुआंधार पारी खेलकर मेहमानों का स्कोर 196 तक पहुंचा दिया. वेस्टइंडीज द्वारा दिए गए 197 रन के लक्ष्य के जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत भी खराब रही, क्योंकि ओपनर बल्लेबाज जेमी स्मिथ सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. हालांकि, शेफर्ड द्वारा आउट किए जाने से पहले बेन डकेट (30) ने कुछ शानदार शॉट्स दिखाए. इसके बाद जोश बटलर (47), कप्तान हैरी ब्रूक (34), जैकब बेथेल (26) और टॉम बैंटन (30) ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की खूब क्लास लगाई. इंग्लैंड ने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 196 रन के लक्ष्य को बौना साबित करते हुए 18.3 में लक्ष्य हासिल कर मैच और सीरीज दोनों अपने नाम की. 621 दिन बाद वापसी कर रहे इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ल्यूक वुड को शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया. वुड ने मैच की पहली ही गेंद एक बेहतरीन यॉर्कर फेंकी और एविन लुईस को एलबीडब्ल्यू कर दिया. इस विकेट के साथ ही वुड टी20ह्व मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले इंग्लैंड के तीसरे गेंदबाज बन गए. उनसे पहले सिर्फ 2 इंग्लिश गेंदबाज स्टीव फिन और डेविड विली यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं.

आज सुजलॉन एनर्जी के शेयरों पर टिकी निवेशकों की नजर, एक साथ बिकेंगे 20 करोड़ शेयर

मुंबई। सोमवार को ट्रेडिंग सेशन के दौरान सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों पर सबकी नजर रहेगी. वैसे कारोबारी सप्ताह के पहले दिन रिपोर्ट के बावजूद सुजलॉन के शेयक बढ़ोतरी के साथ खुले. आज सुजलॉन के शेयर इसलिए फोकस में रहेंगे क्योंकि सोलर एनर्जी क्षेत्र की इस कंपनी की प्रमोटर इकाई ब्लॉक डील के जरिए शेयर बेचने की संभावना है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, तांती फैमिली एंड ट्रस्ट सोमवार को ब्लॉक डील के जरिए 20 करोड़ रुपये के शेयर बेचने की योजना बना रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल इस डील के लिए एकमात्र ब्रोकर की भूमिका निभाएगा. रिपोर्ट के अनुसार कंपनी तांती फैमिली एंड ट्रस्ट 1.4 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी 64.75 रुपये प्रति शेयर पर बेचने की संभावना है, जो शुक्रवार को 66.74 रुपये के पिछले बंद भाव से लगभग 3 फीसदी छूट दिखाता है. यह डील करीब 1,295 करोड़ रुपये का है, जिसमें 180 दिन की लॉक-इन अवधि शामिल है, जो इस अवधि के समाप्त होने तक आगे की बिक्री को दिखाती है. 31 मार्च 2025 तक कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार, प्रमोटरों के पास सुजलॉन एनर्जी में 13.25 फीसदी हिस्सेदारी या 180.87 करोड़ इक्विटी शेयर थे. हालांकि, कंपनी ने अब तक ब्लॉक डील के बारे में कोई औपचारिक घोषणा या स्पष्टीकरण जारी नहीं किया है. सुजलॉन एनर्जी ने मार्च 2025 तिमाही के लिए समेकित नेट प्रॉफिट में कई गुना बढ़ोतरी दर्ज की. कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 254 करोड़ रुपये की तुलना में 1,181 करोड़ रुपये कमाए. यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से हाई रेवेन्यू के कारण हुई. तिमाही के लिए एबिटा लगभग दोगुना होकर 677 करोड़ रुपये हो गया.

कार्लोस अल्काराज ने रचा इतिहास

वर्ल्ड नंबर-1 को हराकर लगातार दूसरी बार जीता फ्रेंच ओपन का खिताब

पेरिस। स्टार टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने रविवार, 8 जून को फ्रेंच ओपन 2025 के फाइनल में धमाकेदार जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया. अल्काराज ने चौथे सेट में तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर फाइनल में जबरदस्त वापसी की. इस शानदार जीत के साथ ही स्पेनिश खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया है क्योंकि वह ओपन एरा में 3 चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम फाइनल जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. अल्काराज ने पांच सेटों के मैराथन में वर्ल्ड नंबर-1 इटली के जैनिक सिनर को जबरदस्त फाइनल में हराया, जो अब तक के सबसे बेहतरीन फ्रेंच ओपन फाइनल में से एक के रूप में जाना जाएगा. स्पेन के इस खिलाड़ी ने शुरुआती 2 सेट गंवाने के बाद विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी को 4-6, 6-7 (4-7), 6-4, 7-6 (7-3), 7-6 (10-2) से हराया. दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला करीब 5 घंटे और 30 मिनट तक चला. जो अब तक का सबसे लंबा फ्रेंच ओपन फाइनल है, जिसने पिछले सबसे लंबे 4 घंटे और 42 मिनट के फाइनल को पीछे छोड़ दिया है. इस जीत ने अल्काराज को अपना दूसरा रोलैंड गैरोस खिताब और कुल मिलाकर 5वां मेजर खिताब दिलाया, जिससे स्लैम फाइनल में उनका 5-0 का रिकॉर्ड बना रहा. वह गुस्तावो कुर्टेन और राफेल नडाल के बाद इस सदी के सिर्फ तीसरे व्यक्ति बन गए हैं जिन्होंने अपना फ्रेंच ओपन का खिताब सफलतापूर्वक बरकरार रखा है.चौथे सेट में 3-5 से पिछड़ने और कुल मिलाकर 1-2 से पिछड़ने के बाद, कार्लोस 0-40 पर अपने खिताब का बचाव करने के लिए सबसे कमजोर स्थिति में थे. उन्होंने 3 चैंपियनशिप पॉइंट का सामना किया और एक के बाद एक सभी को बचाया, क्योंकि स्पेन के इस खिलाड़ी ने ऐतिहासिक वापसी की. इसके बाद अल्काराज ने अगले सेट में सिनर की सर्विस तोड़कर स्कोर 5-5 कर दिया, इससे पहले कि सिनर ने टाईब्रेकर में स्कोर को आगे बढ़ाया. पांचवें सेट के पहले गेम में भी अल्काराज ने सिनर की सर्विस तोड़कर 1-0 की बढ़त ले ली. दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी और ऐसा लग रहा था कि अल्काराज मैच जीत जाएंगे. हालांकि, सिनर ने अल्काराज़ की सर्विस तोड़कर स्कोर 5-5 कर दिया. मैच टाईब्रेकर में गया, जहां अल्काराज ने 10-2 से जीत दर्ज की. फाइनल में तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर अल्काराज ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बन गए. बता दें कि, अल्काराज मैच में दो सेट से पिछड़ रहे थे और उन्होंने तीसरे और चौथे सेट में भी शानदार वापसी की. दो सेट से पिछड़ने के बाद फ्रेंच ओपन का फाइनल जीतने वाले बहुत कम खिलाड़ी हुए हैं.

पुर्तगाल ने स्पेन को हराकर जीता दूसरा यूईएफए नेशंस लीग खिताब, फूट-फूटकर रोए रोनाल्डो

म्यूनिख (जर्मनी)। पुर्तगाल को यूईएफए नेशंस लीग दो बार जीतने वाला पहला देश बनते देखकर स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो रो पड़े. पुर्तगाल ने म्यूनिख में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ के बाद स्पेन को पेनल्टी में 5-3 से हराया. पुर्तगाली स्ट्राइकर ने अपनी टीम के लिए दूसरा बराबरी का गोल किया, लेकिन चोट के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा. कांटे के फाइनल मैच में, दोनों टीमों ने शुरू से ही आक्रामक तेवर दिखाए. स्पेन की ओर से मार्टिन जुबिमेंडी ने गोल करके मैच में बेहतरीन खेल दिखाया. लेकिन, 5 मिनट बाद नूनो मेंडेस ने पुर्तगाल को बराबरी दिलाने में मदद की. हालांकि, हाफटाइम के समय मिकेल ओयारजाबल ने बेहतरीन फिनिश करते हुए स्कोर 2-1 कर दिया. दूसरे हाफ के 15 मिनट बाद आखिरकार सुपरस्टार रोनाल्डो ने एक्शन दिखाया और उन्होंने अपने करियर का 938वां गोल करके मैच को 2-2 से बराबर कर दिया. नियमित समय में रोनाल्डो के लंगड़ाते हुए बाहर जाने के बावजूद, पुर्तगाल ने अतिरिक्त समय में दबाव बनाया. हालांकि, दोनों टीमें नियमित समय में जीत दर्ज करने में विफल रहीं और मैच पेनल्टी में चला गया. अंत में पुर्तगाल की 5-3 से जीत सुनिश्चित करने वाले निर्णायक पेनल्टी पर रूबेन नेवेस ने गोल किया. रोनाल्डो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 88वें मिनट में बाहर होना पड़ा. अपने शानदार करियर की तीसरी इंटरनेशनल ट्रॉफी जीतने पर वह खुशी मनाने के लिए मैदान पर दौड़े और फिर फूट-फूट कर रोने लगे. बता दें कि, यह रोनाल्डो की दूसरी यूईएफए नेशंस लीग जीत थी और उन्होंने 2016 में यूरो कप भी जीता था. रोनाल्डो ने मैच के बाद स्पोर्ट टीवी से बात करते हुए कहा, कितनी खुशी की बात है. सबसे पहले इस पीढ़ी के लिए, जो इस तरह के खिताब की हकदार थी, हमारे परिवारों के लिए. मेरे बच्चे यहां आए, मेरी पत्नी, मेरा भाई, मेरे दोस्त. पुर्तगाल के लिए जीतना हमेशा खास होता है. मेरे पास क्लबों के साथ कई खिताब हैं, लेकिन पुर्तगाल के लिए जीतना इससे बेहतर कुछ नहीं है. यह आंसू हैं. यह कर्तव्य का निर्वहन है और बहुत खुशी है. उन्होंने कहा, जब आप पुर्तगाल के बारे में बात करते हैं, तो यह हमेशा एक खास एहसास होता है. इस पीढ़ी का कप्तान होना गर्व का स्रोत है. एक राष्ट्रीय टीम में खिताब जीतना हमेशा शिखर होता है.

बीसीसीआई ने घरेलू कार्यक्रम में किए बदलाव, दिल्ली को मिली वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025 में घरेलू सीरीज के कार्यक्रम में कुछ बदलाव किए हैं। दरअसल, इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारतीय क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी हैं। इन दोनों सीरीज की मेजबानी को लेकर बीसीसीआई ने कुछ बदलाव किए हैं। इसके साथ-साथ भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के कार्यक्रम को लेकर भी बोर्ड ने अपडेट दिया है। बीसीसीआई के अपडेट के मुताबिक, वेस्टइंडीज की टीम 2 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में सीरीज का पहला टेस्ट खेलेगी।
इसके बाद दूसरा टेस्ट, जो 10 अक्टूबर को कोलकाता में शुरू होने वाला था, उसे नई दिल्ली में स्थानांतरित कर दिया गया है। बदले में, कोलकाता अब भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। इससे पहले ये मैच दिल्ली में खेला जाना तय था।
इस बीच, चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज होनी थी। आउटफील्ड और पिचों के पुनर्निर्माण के कारण अब सीरीज को स्थानांतरित कर दिया गया है। अब नए अपडेट के अनुसार, चंडीगढ़ सीरीज के पहले 2 वनडे की मेजबानी करेगा और सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच नई दिल्ली में खेला जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन
जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
म.ज.प. डिसनेट संभाग क्र. 03, तिल्दा

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना क्रमांक 01/ई-प्रोक्युरमेंट/ 2024-25, तिल्दा-नेवरा दिनांक 20.03.2025, सिस्टम निविदा क्रमांक 165824 (प्रथम आमंत्रण), (कार्य का नाम : नई सिंचाई कालोनी एवं पुरानी सिंचाई कालोनी तिल्दा-नेवरा के आवासीय/ कार्यालयीन भवनों का जीर्णोद्धार तथा बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य), जिसका जी-नंबर 242506092 है, उक्त निविदा के प्रथम आमंत्रण में केवल एक ही निविदाकार को योग्य पाये जाने के कारण केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ के निविदा पूर्व अर्हता निर्धारण समिति की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार मुख्य अभियंता, निविदा प्रकोष्ठ के पृष्ठांकन क्र. 4263597/ निविदा प्रकोष्ठ/ 2025/ 1378 (TC), दिनांक 03.06.2025 के परिपालन निरस्त की जाती है.

कार्यपालन अभियंता
म.ज.प. डिसनेट संभाग क्र. 3, तिल्दा (छ.ग.)
कृते, मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

G-252601455/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग, विधानसभा संभाग, रायपुर

क्रमांक-2861/NIT-06/2025-2026/व.ले.लि. दिनांक 09/06/2025

प्रथम आमंत्रण

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कने की अंतिम तिथि :- 23/06/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र प्रदाय करने की तिथि :- 24/06/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त कराने की अंतिम तिथि :- 27/06/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 30/06/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि(रू.मे) साल्वेंसी राशि (रु.में)
1	2	3
6 T0014	माननीय मुख्यमंत्री निवास एवं माननीय मंत्रीगणों के आवासों (04 आवासों) में B.F.& C. Item प्रदाय कार्य।	9.90 7425.00 148500.00

//नियम व शर्तें//

1. ई पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी द से अ तक।
2. कार्य की अवधि T0014-06 माह है।
3. निविदा प्रपत्र की कीमत 750/-- है।
4. हस्तगत कार्यो की सूची (Work in hand) की जानकारी एनेक्झर-II में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
5. वैध जी.एस.टी. नंबर/वैध बैंक साल्वेंसी/वैध पंजीयन प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।

निविदा से संबंधित शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

G-252601483/1

कार्यपालन अभियंता,
लो.नि.वि., विधानसभा संभाग
रायपुर (छ.ग.)

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH
WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
MAHANADI PROJECT, RAIPUR (CHHATTISGARH)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(First Call)

Online Tenders are invited for the following work up to 27.06.2025 at 17.30 Hours. (As per S.O.R. dated 01.08.2010 and amended upto dated 22.08.2022).

S.No.	System No.	NIT No. and Dated	Name of work	Amt.
1.	169787	02/SAC/25-26 06.06.2025	Filling of Water through Pipe line from Kolhan Nalla to Bouli Tank in Block Arang District Raipur	Rs. 143.03 Lakhs
2.	169789	03/SAC/25-26 06.06.2025	Construction of Pump House, Intake Well and Pipe Line on Kolhan Nalla from Kotni Stopdam to Thela Tank in Block Arang District Raipur	Rs. 207.01 Lakhs

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal (https://eproc.cgstate.gov.in) from Date 13.06.2025 at 17.31 Hours. (IST) onwards.

NOTE :- All eligible / interested contractors / bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e-procurement portal (https://eproc.cgstate.gov.in) and get approval on specific vendor class from PWD under Centralized Contractor / Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.

Executive Engineer
Water Management Division No.1, Raipur
For, Chief Engineer, Mahanadi Project
Raipur (C.G.)

G-252601427/2

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 11 जून 2025

ग्राम टुकूपानी में बहाल हुई बिजली आपूर्ति

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा स्थापित बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल से जशपुर जिले के कुनकुरी तहसील अंतर्गत ग्राम टुकूपानी में बिजली आपूर्ति पुनः शुरू कर दी गई है। ट्रांसफारमर खराब होने के कारण पिछले कुछ समय से गांव में विद्युत सेवा बाधित थी, जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामवासियों ने कैंप कार्यालय में आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया था।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने मनाया कुष्ठ बस्ती में सादगी से जन्मदिन

रायपुर (विश्व परिवार)। हमेशा की तरह अपने चिरपरिचित अंदाज में रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने पंडरी स्थित असहाय जनों के बीच जन्मदिन सादगी से मनाया. इस दौरान उनके परिजनों के द्वारा कुष्ठ जनों को भोजन कराया। इस बीच जुनेजा जी के समर्थकों ने भी सेवा भाव का परिचय देते हुए उनका सहयोग दिया ज्ञात हो कि श्री जुनेजा हर साल '10'जून को अपना जन्मदिन इन असहाय लोगों के बीच मनाते आ रहे हैं। प्रमुख रूप से वार्ड के पूर्व पार्षद जसबीर सिंह ढिल्लन, पूर्व एल्डरमैन सुनील भुवाल, अरुण जंघेल, संजय सोनी, अमितेष भारद्वाज, दलजीत चावला, हरपाल भामरा, लवली सिह, सेवक महानद, माधव छुरा, अरुण ठाकुर, कमल धृतलहरे, गौतम यादव, महेन्द्र सेन, रमेश यादव, गुलाब माखिजा, विजय सिक्का, आशीष कुमार, राधे नायक सहित बड़ी संख्या में अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

विधायक गुरु खुशवंत साहेब जी आज आरंग विधायक कार्यालय में करेंगे जनदर्शन

आरंग (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा एक माह तक चलाए गए सुशासन तिहार के सफल आयोजन के बाद अब पुन: जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रीय कार्यालयों में सक्रिय हो गए हैं। इसी क्रम में आरंग विधायक एवं उपाध्यक्ष, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ शासन तथा कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त गुरु खुशवंत साहेब जी आज अपने आरंग विधायक कार्यालय में आम जनता से रूबरू होंगे। आज दिनांक 11 जून को सुबह दोपहर 1 बजे से जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें क्षेत्रवासियों की व्यक्तिगत, सामाजिक, प्रशासनिक व जनकल्याण से जुड़ी समस्याएं सीधे सुनी जाएंगी। जनदर्शन के दौरान समस्याओं के तत्काल निराकरण की कार्यवाही भी की जाएगी, जिससे लोगों को त्वरित राहत मिले। गौरतलब है कि गुरु खुशवंत साहेब जी ने सुशासन तिहार के दौरान अपने आरंग विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में रहकर शासकीय योजनाओं की समीक्षा, हितग्राही योजनाओं के वितरण और आम जन से सतत संवाद कर प्रशासन को जनमुखी और संवेदनशील बनाने का सफल कार्य किया।

मांग पूरी नहीं होने पर 15 जून से स्कूल सफाई कर्मचारी संघ हड़ताल में जाने के लिए होंगे बाध्य

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में पिछले 15 वर्षों से 43301 स्कूल सफाई कर्मचारी कार्यरत है। केवल दो घंटा कार्य करना निर्धारित है परंतु अधिकांश स्कूलों में भृत्य और चपरासी नहीं होने के कारण उनके सभी काम स्कूल सफाई कर्मचारियों को करना पड़ता है। इस प्रकार पूरा दिन स्कूलों में व्यतीत करना पड़ता है। काम के एवज में प्रतिमाह 3000 से 3400 मानदेय भुगतान किया जाता है। जो कि इस महंगाई भरे दौर में कितने कम रुपए में अपने परिवार का भरण पोषण नहीं हो पाता। संघ की मांगों को पूरा किए जाने को लेकर पिछले 15 वर्षों से संघर्षरत है। 2023 विधानसभा चुनाव के पूर्व भारतीय जनता पार्टी के द्वारा घोषणा पत्र में 50त्न मानदेय में वृद्धि का वादा किया गया था साथ ही पूर्ण कालीन कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान के लिए आश्वासन दिया गया था।

जो की भारतीय जनता पार्टी भाजपा की सरकार को 18 माह बीत जाने के बाद भी घोषणा पत्र का वादा और संघ की मांग पूरी नहीं होने पर संघ के कर्मचारियों में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त है। इसलिए 10 जून हड़ताल धरना प्रदर्शन करके मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा सचिव, संचालक के नाम पर ज्ञापन सौपेगे। मांग पूरी नहीं होने पर 15 जून स्कूल खुलने से पहले प्रदेश भर के स्कूल सफाई कर्मचारी अनिश्चित कालीन हड़ताल में जाने के लिए बाध्य होंगे।

अपेक्स बैंक के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता आज करेंगे पदभार ग्रहण

मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सहित मंत्रियो, सांसदों, विधायकों और महापौर की रहेगी उपस्थिति

'सहकार से समृद्धि' अंतर्गत राज्य स्तरीय सम्मेलन और फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नवीन शाखा का वर्चुअल शुभारंभ भी होगा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक, छत्तीसगढ़) के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता कल 11 जून को जून को पदभार ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नवीन शाखा का वर्चुअल शुभारंभ भी होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक, छत्तीसगढ़) के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी श्री गुप्ता के पदभार ग्रहण के सुबह 11.30 बजे बलबीरसिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम (बुढ़ापारा) में होने वाले 'सहकार से समृद्धि' अंतर्गत होने वाले राज्यस्तरीय सम्मेलन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, प्रदेश के कैबिनेट मंत्रीगण केदार कश्यप, रामविचार नेताम, दयालदास बघेल, ओ.पी. चौधरी, श्यामबिहारी जायसवाल, लखनलाल देवांगन, लक्ष्मी राजवाड़े व टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायकगण राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब व इन्द्रकुमार साहू, महापौर मीनल चौबे और रायपुर जिला (शहर) अध्यक्ष रमेश ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

11 दिवसीय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन 12 से

रायपुर (आरएनएस)। 11 दिवसीय शिवमहापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का भव्य आयोजन अवलंबन वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा 12 जून से 21 जून के मध्य श्रीराम मंदिर व्हीआईपी रोड रायपुर में किया जा रहा है। उक्त कथा दोपहर तीन बजे से शाम साढ़े सात बजे तक व्हीआईपी मंदिर के पीछे नवनिर्मित हाल में आयोजित की गई है। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में अयोध्या से आए कथा वाचक पं. जयप्रकाश तिवारी संरक्षक योगेश अग्रवाल एवं कार्यक्रम के संयोजक नितेंद्र सिन्हा ने संयुक्त रूप से दी।

पत्रकारवार्ता में योगेश ने बताया कि 11 जून को जेठ पूर्णिमा के अवसर पर सुंदरकांड का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। 12 जून को सुबह 10 बजे कलश यात्रा व्हीआईपी रोड राममंदिर से सिग्रल चौक तक निकाली जाएगी। अन्य आयोजनों में कथा परिचय के अलावा 13 जून को तृतीय दक्ष यज्ञ सती प्रसंग 14 जून को चतुर्थ पार्वती जन्मोत्सव 15 जून को पंचम भोलेनाथ की बारात शिव पार्वती विवाह, 16 जून को षष्ठम रूद्राभिषेक भस्म आरती 17 जून को सप्तम कार्तिकेय एवं गणेश जन्मोत्सव 18 जून को अष्टम द्वादश ज्योतिर्लिंग पूजन 19 को नवम त्रिपुरासुर का वध20 जून को दशम मां तुलसी प्रसंग 21 जून को एकादश अग्नि मंथन वेदी पूजन यज्ञ एवं समापन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है।

प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक द्वारा यात्री आरक्षण प्रणाली डिजिटल ट्रांजेक्शन में उत्कृष्ट योगदान के लिए पूछताछ सह आरक्षण लिपिक कर्मचारियों का सम्मान

बिलासपुर मंडल से एस. अनिल कुमार, मनोज गुबरेले, मौमिता मजूमदार, रायपुर मंडल से श्वेता शर्मा, पी. भट्टाचार्य और नागपुर मंडल से रिंकू सिंग एवं नेहा ठाकुर सहित 15 कर्मचारी हुए सम्मानित

बिलासपुर/रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में आज प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री प्रवीण पाण्डेय द्वारा पूछताछ सह आरक्षण लिपिक (ईसीआरसी) कर्मचारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में डिजिटल इंडिया की परिकल्पना को साकार करने तथा रेलवे के वाणिज्यिक कार्यों में पारदर्शिता, त्वरित सेवा और सुरक्षित लेन-देन सुनिश्चित करने हेतु लक्ष्य निर्धारित कर डिजिटल लेन-देन को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) टिकटिंग प्रणाली में डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए गए, जिसमें रिजर्वेशन/ बुकिंग क्लर्क्स का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा।

वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रिजर्वेशन यूनिट्स में डिजिटल ट्रांजेक्शन की मात्रा लगभग 55 से 60 प्रतिशत तक पहुँच गई है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। डिजिटल भुगतान के माध्यम से कैश हैंडलिंग में कमी, चिल्हर की समस्या से निजात, धोखाधड़ी की संभावना में गिरावट, यात्रियों को तेज़ और सुलभ सेवा, तथा लेन-देन का रीयल टाइम रिकॉर्ड जैसे कई लाभ प्राप्त हो रहे हैं। इसी क्रम में बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, नागपुर, भिलाई और उसलापुर जैसे प्रमुख रिजर्वेशन केंद्रों के कर्मचारियों को आज सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में बिलासपुर मंडल से एस. अनिल कुमार, मनोज गुबरेले, मौमिता मजूमदार, रायपुर मंडल से श्वेता शर्मा, पी. भट्टाचार्य, और नागपुर मंडल से रिंकू सिंग एवं नेहा ठाकुर सहित कुल 15 कर्मचारी शामिल हैं। इस दौरान सम्मानित कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उन्हें और अधिक प्रेरणा देगा तथा अन्य साथी स्टाफ एवं पेसेंजर भी डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहित होंगे, जिससे रेलवे में डिजिटल इंडिया का सपना और अधिक मजबूती से साकार हो सकेगा।

कार्यक्रम के अंत में प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री प्रवीण पाण्डेय ने सभी कर्मचारियों से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए अपील की कि वे इस अभियान को सफल बनाने में अपना निरंतर योगदान देंवें।

ओडिशा के जिन्दल स्पोर्ट्स हॉस्टल के खिलाड़ियों ने मास्को वुशू स्टार इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2025 में जीते स्वर्ण पदक

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय खेल जगत को तब एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई जब ओडिशा के बड़बिल स्थित जिन्दल स्पोर्ट्स हॉस्टल के दो वुशू खिलाड़ियों-प्रेम मुंडा और राजकुमार मुंडा ने रूस के मास्को में 1 से 7 जून तक आयोजित प्रतिष्ठित मास्को वुशू स्टार इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।

पुरुषों के वरिष्ठ संवर्ग 48 किलोग्राम और 52 किलोग्राम श्रेणी में प्रेम और राजकुमार ने मेजबान देश रूस के शीर्ष खिलाड़ियों को हराकर देशवासियों को गर्वान्वित किया। यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय वुशू के लिए मील का पत्थर है।

जिन्दल स्पोर्ट्स हॉस्टल, बड़बिल की स्थापना क्षेत्र के ग्रामीण और आदिवासी बच्चों की प्रतिभा के विकास के उद्देश्य से जिन्दल स्टील एंड पावर की सीएसआर शाखा जिन्दल फाउंडेशन द्वारा चेयरपर्सन श्रीमती शालू जिन्दल के मार्गदर्शन में किया गया है।

इस उपलब्धि पर प्रेम मुंडा और राजकुमार मुंडा को बधाई देते हुए जेएसपी के चेयरमैन और हरियाणा के कुरुक्षेत्र से सांसद श्री नवीन जिन्दल ने कहा, यह हम सभी के लिए गर्व का पल है। प्रेम और राजकुमार की यह सफलता न केवल भारतीय खेलों की जीत है, बल्कि समान अवसर और संघर्ष की क्षमता का उत्सव भी है। मैं दोनों ही खिलाड़ियों के संकल्प और साहस को सलाम करता हूं और ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को संवारने के लिए जिन्दल फाउंडेशन की पूरी टीम को बधाई देता हूं।

जिन्दल फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती शालू जिन्दल ने खिलाड़ियों कि उपलब्धि पर कहा, मास्को में इनकी सफलता की यात्रा सुदूर गांव से अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने की एक प्रेरणादायक कहानी है। जिन्दल फाउंडेशन प्रतिभाओं का सहयोग कर उनके सपनों को पंख देने में विश्वास करता है। ये स्वर्ण पदक इनके समर्पण और मेहनत को समर्पित हैं। मैं प्रेम और राजकुमार को उनकी शानदार सफलता और अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनने के लिए बधाई देती हूं।

प्रेम और राजकुमार की यात्रा वर्ष 2012 में तब शुरू हुई थी, जब जिन्दल फाउंडेशन ने क्योंझर जिले के देवझर क्षेत्र में सीएसआर कार्यक्रम के तहत बच्चों को वुशू प्रशिक्षण देना शुरू किया था। वर्ष 2023 से जिन्दल स्पोर्ट्स हॉस्टल, बड़बिल का संचालन हो रहा है, जहां इन बच्चों को शीर्ष स्तर का प्रशिक्षण दिलाने के साथ-साथ उनकी शिक्षा और पोषण की भी व्यवस्था की गई है। मास्को में हुई प्रतियोगिता के लिए प्रेम और राजकुमार का चयन देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय शिविर में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुई।

प्रेम और राजकुमार के साथ-साथ जिन्दल फाउंडेशन ने स्वेता रानी, बबलू और मंजू मुंडा जैसी प्रतिभाओं को भी तराशा है, जिन्होंने ब्राजील, ब्रुनेई और मास्को में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिताओं में स्वर्ण व रजत पदक जीते हैं। जिन्दल फाउंडेशन पूरे भारत में 30, 000 से अधिक ग्रामीण और आदिवासी खिलाड़ियों सहयोग प्रदान कर रहा है, जिनमें मार्शल आर्ट्स, महिला और पुरुष हॉकी, महिला फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, तीरंदाजी और क्रिकेट शामिल हैं।

कोंटा आईईडी ब्लास्ट स्थल पहुंचे आईजी सुंदरराज, ली अधिकारियों की बैठक

सुकमा (विसं)। नक्सलियों के द्वारा 10 जून को भारत बंद का आव्हान किया गया था, इसके अलावा नक्सलियों के द्वारा एक पोकलेन को आग लगा दिया गया था। इसी मामले को लेकर सर्चिंग पर गए पुलिस के अधिकारियों को आता देख नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर दिया।

इस हमले में एएसपी शहीद हो गए, जबकि थाना प्रभारी व एसडीओपी घायल हो गए। इस घटना के बाद मंगलवार को बस्तर के आईजी सुंदरराज पी. सुकमा जिले के कोंटा में घटनास्थल पहुंचे, जहाँ जांच के बाद आला अधिकारियों की बैठक भी ली।

ज्ञात हो कि सुकमा जिले के कोंटा थाने से महज 3 किमी दूर कोंटा-सुकमा मार्ग में नक्सलियों ने रविवार की रात एक पोकलेन को आग लगा दी, जिसके बाद सोमवार को पैदल गश्त पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपुंजे के साथ एसडीओपी भानुप्रताप चंद्राकर व कोंटा थाना प्रभारी सोनल गवला भी साथ में मौजूद थे।

उच्च सुरक्षा पंजीकरण नंबर प्लेट शिविर चेंबर भवन रायपुर में सफलतापूर्वक हुआ सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। आज छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और रायपुर परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में, शहर के प्रमुख व्यापारिक संघों- बंजारी रोड, एम.जी. रोड, गोल बाजार, इलेक्ट्रिकल मर्चेंट एसोसिएशन और जयराम कॉम्प्लेक्स के सक्रिय सहयोग से, एक विशेष उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (HSRP) नंबर प्लेट शिविर का सफल आयोजन चेंबर भवन रायपुर में किया गया।

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने इस सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हमारा उद्देश्य हमेशा व्यापारिक समुदाय और आम जनता के लिए सुविधाएँ प्रदान करना रहा है। रायपुर परिवहन विभाग के साथ यह सहयोग इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। HSRP नंबर प्लेट सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, और हमें खुशी है कि इस शिविर के माध्यम से हमने बड़ी संख्या में व्यापारिगण तथा आमजनों को इसका लाभ उठाने में मदद की।

चेंबर मंत्री एवं कार्यक्रम के संयोजक श्री लोकेश चंद्रकांत जैन ने बताया कि यह शिविर वाहन मालिकों को उनके वाहनों पर ।स्त्रक्क नंबर प्लेट लगवाने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जो सुरक्षा और पहचान के लिए अनिवार्य है।

शहर के महत्वपूर्ण व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़े इन संघों के समर्थन से, शिविर में बड़ी संख्या में व्यापारीण तथा आमजनों ने भाग लिया और लगभग 100 से ज्यादा लोगों ने इस पहल का लाभ उठाया। ज्ञात रहे कि छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं रायपुर परिवहन विभाग द्वारा मालवीय रोड के दिगंबर जैन मंदिर में दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें लगभग 350 वाहन मालिक लाभान्वित हुए।

रायपुर परिवहन विभाग के अधिकारी श्रीमती आकृति बक्स ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, HSRP नंबर प्लेट वाहनों की पहचान को सुरक्षित बनाने और चोरी की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमें छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और विभिन्न व्यापारिक संघों के सहयोग से इस शिविर का आयोजन करने में खुशी हुई। यह सार्वजनिक-निजी भागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह शिविर शहर में HSRP नंबर प्लेट के अनुपालन को बढ़ावा देने और सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे जनहितैषी शिविरों के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई है।

इस अवसर पर चेंबर प्रमुख सलाहकार अरविंद जैन, सरल मोदी, किशोर आहूजा, प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी, राधा किशन सुंदरानी, विक्रम सिंहदेव, जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन, मनोज जैन, राज कुमार तारवानी, सुदेश मध्यान, मंत्री राकेश वाधवानी, प्रशांत गुप्ता, राजेंद्र पारख, सतीश बागड़ी एवं चेंबर सदस्य दिलीप इसरानी, कपिल दोशी सहित रायपुर परिवहन विभाग से श्रीमती आकृति बक्स, श्रवण सिंह एवं कर्मचारीगण-पायल, योगेश कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने सक्ति जिले के टी.बी. मरीजों को दी 60 हजार रुपए की सहायता

रायपुर (विसं)। राज्यपाल रमेन डेका ने सक्ति जिले के 10 टीबी मरीजों के लिए एक सराहनीय कदम उठाते हुए उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने हेतु 60 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह सहायता राशि उन्होंने अपने स्वेच्छानुदान मद से दी है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद मिलेगी। प्रत्येक मरीज को प्रति माह 500 रुपए के मान से एक वर्ष तक सहायता दी जाएगी। भारत सरकार के प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राज्य को टीबी मुक्त बनाने के लिए राज्यपाल श्री डेका ने इस अभियान में समुदाय की भागीदारी को अत्यंत आवश्यक बताया और जन सहयोग की महत्ता पर बल दिया है।

रायपुर और दुर्ग जिलों में ICAR- NIBSM वैज्ञानिकों का क्षेत्रीय दौरा, किसानों को दी आधुनिक कृषि की जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (ICAR-NIBSM), रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में प्रभावी क्षेत्रीय भ्रमण और कृषक संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशेष रूप से रायपुर और दुर्ग जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में यह गतिविधियाँ किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुईं।

इस अभियान के तहत ICAR-NIBSM के वैज्ञानिकों ने स्थानीय कृषि अधिकारियों, कृषि विज्ञान केंद्रों तथा ग्रामीण किसानों के साथ प्रत्यक्ष संवाद किया और उन्हें जैविक स्ट्रेस प्रबंधन, जलवायु स्मार्ट कृषि, सतत खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और कीट-रोग नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण व तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल विविधीकरण, बीज चयन, उन्नत बुआई तकनीक और समुचित उर्वरक उपयोग के विषय में भी जानकारी दी।

प्रत्येक भ्रमण के दौरान वैज्ञानिकों ने किसानों की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा और स्थानीय कृषि परिस्थितियों के अनुसार समाधान सुझाए। इस संवादात्मक पहल के माध्यम से ICAR-NIBSM का उद्देश्य विज्ञान और तकनीक को खेत तक पहुंचाकर किसानों की आय में वृद्धि एवं कृषि क्षेत्र को अधिक आत्मनिर्भर और आधुनिक बनाना है। कार्यक्रमों के दौरान ICAR-NIBSM द्वारा विकसित प्रशिक्षण सामग्रियां और सूचनात्मक पुस्तिकाएं भी वितरित की गईं, जिससे किसानों को दीर्घकालीन लाभ मिल सके। इन अभियानों में महिला किसानों की भी भागीदारी उल्लेखनीय रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि संस्थान की यह पहल समावेशी और टिकाऊ विकास की दिशा में सशक्त कदम है।

ICAR-NIBSM के निदेशक डॉ. राय ने बताया कि यह अभियान आने वाले महीनों में छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में भी जारी रहेगा और संस्थान वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि को समृद्ध करने हेतु निरंतर कार्यरत रहेगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354